मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

# उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 321
रविवार, 15 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

# सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी, बालाघाट एनकाउंटर में तीन महिला समेत चार नक्सली ढेर

**बालाघाट, 14 जून।** मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के एक वन क्षेत्र में शनिवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में तीन महिलाओं समेत चार नक्सली मारे गए। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने यह जानकारी दी। बालाघाट माओवाद प्रभावित जिला है जो महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की सीमा से सटा हुआ है। यादव ने बताया कि घटनास्थल से एक ग्रेनेड लांचर, एक सेल्फ-लोडिंग राइफल (एसएलआर), दो .315 बोर राइफल, अन्य हथियार और सामग्री बरामद की गई है।

संयोग से, मुठभेड़ उस समय हुई जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पंचमढ़ी में भाजपा के प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन करने के लिए राज्य में थे। ह्यएक्स' पर एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री ने कहा, श्प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में, राज्य ने मार्च 2026 तक नक्सलवाद को खत्म करने के अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है।

उन्होंने कहा, पचामादादर और कटेझिरिया के जंगलों में (मप्र के नक्सल विरोधी बल) हॉक फोर्स, जिला (पुलिस) बल और सीआरपीएफ के संयुक्त अभियान के दौरान मुठभेड़ में एक पुरुष और तीन महिला सशस्त्र नक्सली मारे गए हैं। उन्होंने कहा

कि तलाशी अभियान, जिसमें बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी और जवान लगे हुए हैं, अब भी जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा, श्इस सफलता के लिए हमारे अदम्य, साहसी सैनिकों और राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को हार्दिक बधाई।

बालाघाट क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक संजय कुमार ने फोन पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि मृत नक्सलियों की पहचान के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर रूपझर पुलिस थाना क्षेत्र में स्थित घटनास्थल से नक्सलियों के खिलाफ अभियान अभी भी जारी है। उन्होंने कहा कि कल शाम को उनकी गतिविधियों के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद अभियान शुरू किया गया था। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि मारे गए माओवादी एमएमसी जोन के जीआरबी डिवीजन के कट्टर कार्यकर्ता थे। उन्होंने बताया कि उनकी शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा, श्सुरक्षा बलों को जीआरबी डिवीजन से जुड़े माओवादियों के एक समूह की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी।

# मणिपुर के विभिन्न हिस्सों से पांच उग्रवादी गिरफ्तार

**मणिपुर, 14 जून।** मणिपुर के विभिन्न हिस्सों से जबरन वसूली के आरोप में पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को थौबल, काकचिंग, इंफाल पश्चिम और तेंग्नौपाल जिलों से गिरफ्तारियां की गईं। यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी ऑफ कांगलीपाक (यूपीपीके) के एक सदस्य को काकचिंग जिले के लैंगमीडोंग मैनिंग लेइकाई से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध की पहचान अकोईजाम रॉबिन्सन (51) के रूप में हुई है, जिस पर इंफाल के स्कूलों से जबरन वसूली करने का आरोप है। उन्होंने कहा कि उसके पास से .32 पिस्तौल जब्त की गई है।

प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (नोयोन) के एक सदस्य को थौबल जिले के थौबल मेला ग्राउंड से गिरफ्तार किया गया, जबकि पीआरईपीएके (प्रो) और पीआरईपीएके के एक-एक सदस्य को तेंग्नौपल जिले के शांगतोंग में भारत-म्यांमा सीमा के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक सदस्य को इंफाल पश्चिम जिले के लांगोल गेम गांव से गिरफ्तार किया गया। इंफाल पूर्वी जिले के बरुनी हिल के खालोंग में एक अलग अभियान में सुरक्षाबलों ने तीन वाहन रेडियो सेट, 13 रेडियो वायरलेस हैंडहेल्ड सेट, सात वायरलेस सेट एंटीना, एक सोलर चार्जर कन्वर्टर और तीन सोलर प्लेट समेत अन्य सामान बरामद किया।

# एनआईए ने आतंकी साजिश की जांच के तहत मध्य प्रदेश और राजस्थान में छापे मारे

**नई दिल्ली, 14 जून।** राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की प्रतिबंधित संगठन हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) की आतंकी साजिश की जांच के लिए शनिवार को मध्य प्रदेश और राजस्थान में छापे मारे।

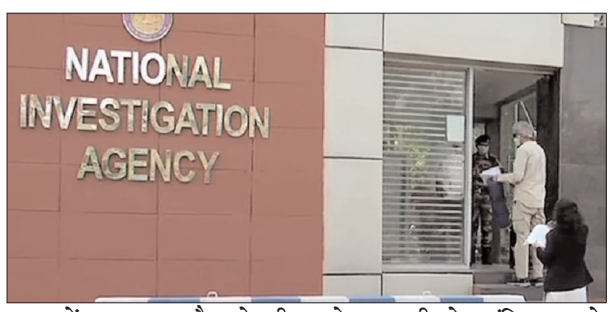


अधिकारियों ने बताया कि एनआईए ने एचयूटी और उसके सदस्यों की गतिविधियों की जांच के तहत भोपाल में तीन और राजस्थान के झालावाड़ में दो स्थान पर छापे मारे। जांच एजेंसी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, यह छापेमारी एनआईए द्वारा दर्ज किए गए एक मामले के तहत की गई है।

बयान के अनुसार एनआईए ने भारत में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे विभिन्न आतंकवादी और कट्टरपंथी समूह और संगठनों को खत्म करने के अपने प्रयासों के तहत मामला दर्ज किया था, जो संवेदनशील मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और भर्ती करने की एचयूटी की साजिश से संबंधित है।

बयान में कहा गया है, युवाओं को भारत की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को उखाड़ फेंकने और शरिया कानून द्वारा शासित एक इस्लामिक सरकार स्थापित करने के मकसद से हिंसा फैलाने के प्रेरित किया जा रहा था। बयान में कहा गया है कि एनआईए की टीमों ने तलाशी के दौरान डिजिटल उपकरण जब्त किए, जो फोरेंसिक विश्लेषण के लिए भेजे जाएंगे।

# ओडिशा-झारखंड सीमा पर नक्सल विरोधी अभियान के दौरान विस्फोट, आईईडी ब्लास्ट में शहीद हुए सीआरपीएफ जवान सत्यवान कुमार

**ओडिशा, 14 जून।** ओडिशा-झारखंड सीमा के पास घने सारंडा जंगल में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान एक आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ का एक जवान शहीद हो गया। शहीद जवान, सहायक उपनिरीक्षक सत्यवान कुमार सिंह, उत्तर प्रदेश के कुशीनगर के रहने वाले थे और सीआरपीएफ की 134वीं बटालियन का हिस्सा थे। वह माओवादियों द्वारा कथित रूप से लूटे गए विस्फोटकों का पता लगाने और उन्हें बरामद करने के लिए ओडिशा पुलिस, झारखंड पुलिस और सीआरपीएफ के साथ एक संयुक्त अभियान में शामिल थे। अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान 27 मई को ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में एक पत्थर खदान के पास माओवादियों के छापे के

मद्देनजर शुरू किया गया था, जिसके दौरान कथित तौर पर माओवादियों ने विस्फोटकों का एक जखीरा जब्त किया था।

एएसआई सत्यवान कुमार सिंह की मौत हो गई। संयुक्त बल जब जंगल में तलाशी ले रहे थे, तभी एक छिपा हुआ इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट हो गया, जिससे एएसआई सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें गंभीर हालत में राउरकेला के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई। सीआरपीएफ ने कहा कि एसएफ सीआरपीएफ की 134 बटालियन के बहादुर सहायक उपनिरीक्षक सत्यवान कुमार सिंह ने 14 जून 2025 को राउरकेला (ओडिशा) के लंगलकाटा इलाके में चल रहे माओवादी विरोधी अभियान के दौरान एक आईईडी विस्फोट में अपने कर्तव्य का पालन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। सीआरपीएफ हमारे बहादुर योद्धा के अदम्य साहस, वीरता और मातृभूमि के प्रति समर्पण को सलाम करता है। हम हमेशा अपने बहादुर आदमी के परिवार के साथ खड़े हैं।

# ऑपरेशन सिंदूर भारतीय वायुसेना के अद्वितीय पराक्रम का शानदार उदाहरणः एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह

**नई दिल्ली, 14 जून।** पाकिस्तान के खिलाफ चलाये गये ऑपरेशन सिंदूर का डंका पूरा दुनिया में बजा। पूरी दुनिया ने देखा की भारत पहले किसी पर हमला नहीं करता है लेकिन जब उस पर कोई हाथ डालने की कोशिश करता है तो भारत उसे छोड़ता भी नहीं है। चोरों तरफ तारीफों के बाद एक बार फिर से भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह का बयान ऑपरेशन सिंदूर पर आया है।

भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने शनिवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद शुरू किया गया ऑपरेशन सिंदूर भारतीय वायुसेना के अद्वितीय पराक्रम का शानदार उदाहरण है। एयर चीफ मार्शल ने यह भी कहा कि इस अभियान ने दुश्मन पर त्वरित, सटीक और निर्णायक प्रहार करने की भारतीय वायुसेना की क्षमता को प्रदर्शित किया। यहां डुंडीगल स्थित वायुसेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने सशस्त्र बलों के बीच असाधारण समन्वय और एकीकरण को प्रदर्शित किया है। उन्होंने युवा अधिकारियों से आह्वान किया कि वे सेवा में आगे बढ़ने के साथ-साथ एकजुटता की भावना को आगे बढ़ाएं। वायुसेना प्रमुख ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर भारतीय वायुसेना के अद्वितीय पराक्रम का एक शानदार उदाहरण है जिसमें हमने दुश्मन पर त्वरित, सटीक और निर्णायक प्रहार करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। आप वायुसेना का भविष्य हैं और आपको यह समझना होगा कि वायुसेना हमेशा से ही सबसे पहला कदम उठाने वाली रही है और रहेगी।

उन्होंने कहा, भारत के प्रत्येक नागरिक द्वारा भारतीय वायुसेना पर जताए गए विश्वास पर खरा उतरना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है और हमें इसके लिए तैयार रहना चाहिए। यह कार्यक्रम भारतीय वायुसेना की विभिन्न शाखाओं में फ्लाइट कैडेट्स के सेवा में शामिल होने से पहले के प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा होने पर आयोजित किया गया।

## शारदा नदी में लखीमपुर के चार किशोर डूबे, दो के शव बरामद

**खीरी।** उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के एक गांव के रहने वाले चार किशोर शुक्रवार को पड़ोसी सीतापुर जिले में निमार्णाधीन देबर घाट पुल के पास नहाते समय शारदा नदी में डूब गए। एक प्रशासनिक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि लड़कों की पहचान ईशानगर पुलिस थाना क्षेत्र के हसनपुर कटौली गांव निवासी अविनाश (17), उत्कर्ष (16), देवांश (16) और राहुल (13) के रूप में हुई है।

खीरी जिले के धौरहरा तहसील के उप ज़िलाधिकारी (एसडीएम) राजेश कुमार स्थानीय पुलिस अधिकारियों के साथ बचाव अभियान की निगरानी के लिए मौके पर पहुंचे। एसडीएम कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि अविनाश और उत्कर्ष के शव बरामद कर लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि राहुल और देवांश की तलाश की जा रही है। एसडीएम ने बताया कि दोनों की तलाश के लिए प्रांतीय सशस्त्र बल (पीएसी) की बाढ़ इकाई के कर्मियों को तैनात किया गया है। चारों किशोर पहले निमार्णाधीन पुल को देखने गए थे और बाद में उन्होंने नदी में नहाने का फैसला किया, जिसके कारण यह दुखद घटना हुई।

## प्रियंका गांधी नीलांबुर विधानसभा उपचुनाव से पहले केरल पहुंचीं

**केरल।** कांग्रेस महासचिव और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा नीलांबुर विधानसभा उपचुनाव से पहले विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार को केरल पहुंचीं। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि प्रियंका देर शाम यहां करीपुर हवाई अड्डे पर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डे पर केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष सनी जोसेफ और अन्य पार्टी नेताओं ने प्रियंका का स्वागत किया।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)

वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग

गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.( Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.( Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद,जौनपुर

# आसमान में उड़ान हो, न कि अंतिम सफर!


सुरेश गांधी

गुजरात के अहमदाबाद में भीषण विमान हादसा हुआ है, जिसने पूरे देश को हिला कर रख दिया है. इस हादसे की खबर सुनकर हर कोई स्तब्ध रह गया है. विमान में सवार यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के परिवारों के लिए यह खबर किसी बड़े झटके से कम नहीं है. देशभर के लोग इस हादसे के बारे में सुनकर दुख और चिंता में हैं. बता दें, लंदन जा रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट क्रैश हो गई. इस विमान में 242 लोग सवार थे, जिनमें 2 पायलट और 10 केबिन क्रू सदस्य शामिल हैं. हादसा अहमदाबाद के मेघानीनगर में हुआ है. फिलहाल रेस्क्यू और बचाव का काम चल रहा है. देखा जाएं तो यह पहला मामला नहीं है जब बोइंग के विमान क्रैश हुए हों. इससे पहले कई बार बोइंग के विमान क्रैश हो चुके हैं. इससे ठीक पहले साल 2024 में साउथ कोरिया में बोइंग का विमान क्रैश हुआ था, जिसमें लगभग 180 लोगों की जान चली गई. इसमें बोइंग का 737-800 एयरक्राफ्ट शामिल था, जो 737 मैक्स का एक नया वर्जन है. वहीं पिछले साल जनवरी में एक अलग घटना में उड़ान के दौरान एक 737 मैक्स के दरवाजे का प्लग उड़ गया था. इसके अलावा, 2018 और 2019 में भी बोइंग 737 मैक्स का विमान क्रैश हुआ था, जिनमें लायन एयर फ्लाइट 610 और इथियोपियन एयरलाइंस फ्लाइट 302 शामिल थीं, जिसके कारण विमान को बोइंग के इस विमान को रोकना पड़ा था और कंपनी को 30 अरब डॉलर तक का नुकसान हुआ था. 2018 और 2019 की दुर्घटना के दौरान 189 और 157 लोगों की जान गई थी. हालांकि अभी यह बोइंग 737- 800 से परिचालन में है. अहमदाबाद की उड़ती मौत ने फिर दिखा दिया कि आसमान में उड़ान अब महज विकास की निशानी नहीं, बल्कि चुनौतीपूर्ण जोखिम बन चुकी है। तकनीक, सुरक्षा और जिम्मेदारी कृ इन तीनों के तालमेल के बिना कोई भी उड़ान ह्लउड़ता ताबूतह्ल बन सकती है। क्या हमारा आसमान अब सुरक्षित नहीं रहा? क्या हर उड़ान एक जुआ बन चुकी है? विमान दुर्घटना होने के बाद जाँच समिति तो बनती है, पर क्या उसके सुझाव लागू होते हैं? डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) की निरीक्षण प्रणाली कितनी प्रभावशाली है? विमानन कंपनियां सुरक्षा की बजाय मुनाफे को तरजीह क्यों देती हैं? पायलटों की ट्रेनिंग और कार्य घंटे को लेकर क्या वाकई सख्ती है? अहमदाबाद की इस ह्यउड़ती मौतह्व ने एक बार फिर देश को सोचने पर मजबूर कर दिया है, क्या हम आधुनिकता की दौड़ में सुरक्षा को भूल चुके हैं? जब तक हादसे नहीं होते, तब तक सुधार क्यों नहीं होते? अब वक्त आ गया है कि भारत अपनी एविएशन सुरक्षा को सिर्फ कागजों में नहीं, रनवे और कॉकपिट तक गंभीरता से ले।

आखिर बोइंग के विमानों में क्या है खराबी?

जब बोइंग के विमान लगातार क्रैश हो रहे थे तो बोइंग 73.7 मैक्स की जांच की गई. जांच से मैन्युवरिंग कैरेक्टरिस्टिक्स ऑग्मेंटेशन सिस्टम (एमसीएएस) से जुड़ी एक समस्या सामने आई. इस सिस्टम ने मैनुअली लैंडिंग पर निर्भरता कम कर दी थी, लेकिन पायलटों को इसके बारे में ज्यादा ब्रीफिंग नहीं की गई थी. आलम ये हुआ कि 2018 और 2019 में 346 यात्री और क्रू मेंबर्स की जान चली गई. इस हादसे के बाद इस विमान का संचालन रोक दिया गया था. बाद में इसे अपडेट करके बोइंग 737-800 के नाम से परिचालन में लाया गया. खास यह है कि बोइंग का विमानय बम का गोला बनकर उड़ता है. अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश में बोइंग का 787 ड्रीमलाइनर इसका ताजा उदाहरण है. जिसकी पहले कभी क्रैश होने की कहानी नहीं रही है. ब्लैक बॉक्स मिलने के बाद अहमदाबाद हादसे का खुलासा हो सकेगा. एक रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी आंकड़ों के अनुसार बोइंग विमान दुनिया भर में लगभग 6,000 दुर्घटनाओं और घटनाओं में शामिल रहे हैं, जिनमें से 415 घातक थीं और 9,000 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई है. दुनियाभर में फ्लाइट वाले हजारों यात्री विमानों में से कम से कम 4000 से ज्यादा विमान बोइंग 737-800 हैं. एनवाईटी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका कुछ प्रमुख .महाद्वीप हैं, जहां बोइंग विमानों का इस्तेमाल किया जाता है. 2023 में भी एक उड़ान के दौरान 737 मैक्स विमान के दरवाजे का प्लग उड़ गया था. इस तरह की घटनाएं बताती हैं कि तकनीकी खामियां अभी भी बोइंग के विमानों में लगातार सामने आ रही हैं.

आतंकवादी एंगल पर भी जांच

जांच में यह संभावना जताई जा रही है कि विमान के इंजन मॉड्यूल में रिमोट एक्सेस डिवाइस लगाया गया हो सकता है। एक संदिग्ध एयरक्राफ्ट मैकेनिक पर नजर जांच एजेंसियों की नजर है। अहमदाबाद एयरपोर्ट के पिछले 48 घंटे के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। खुफिया एजेंसियों ने इस हादसे को ह्लप्री-प्लांड सैबोटाजह्ल मानकर जांच शुरू की है.

क्या हम सबक नहीं ले रहे?

भारत में इससे पहले भी कई भयावह विमान हादसे हो चुके हैं, जो या तो तकनीकी लापरवाही के कारण हुए या सुरक्षा तंत्र की चूक का नतीजा रहेः 1985 एयर इंडिया कनिष्क (अटलांटिक) बम विस्फोट में 329 लोग मारे गए। 1988 इंडियन एयरलाइंस 113 (अहमदाबाद) में रनवे से पहले गिरे विमान में 133 लोग मारे गए। 2010 एयर इंडिया एक्सप्रेस (मंगलौर) रनवे से फिसलकर खाई में गिरे विमान से 158 लोग मारे गए। 2020 में कोझिकोड हादसा में रनवे पर क्रैश विमान में 21 लोग मारे गए। 2021 में सेना का एमआई-17 चॉपर, सीडीएस जनरल बिपिन रावत की मृत्यु सहित तमिलनाडु के 13 लोग मारे गए। 1978 मुंबई इंडियन एयरलाइंस 213 मृत रनवे से फिसला, 1996 चर्खी दादरी, हरियाणा सऊदी व कजाख विमान हादसा 349 मृत हवा में टकराव, 2000 में पटना में इंडियन एयरलाइंस में 60 मृत, कारण खराब मौसम, पायलट त्रुटि, 2010 मैंगलोर एयर इंडिया एक्सप्रेस 158 मृत रनवे से फिसलना, पायलट की गलती, देखा जाएं तो भारत में हर साल औसतन 15 से अधिक एविएशन घटनाएं होती हैं। 17 जुलाई 2000 को एलायंस एयर की फ्लाइट नंबर 7412 पटना में दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी. यह विमान कोलकाता से दिल्ली जा रहा था और पटना इसका स्टॉपेज था. जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने के दौरान विमान पटना के गर्दनीबाग इलाके में गिर गया था. 2021 से 2024 के बीच 62 सुरक्षा संबंधित चेतावनियां जारी की गईं, लेकिन कार्रवाई नगण्य। अधिकांश निजी व चार्टर्ड विमानों के मेंटेनेंस रिकॉर्ड अपूर्ण हैं। पायलट थकान, एयर ट्रैफिक ओवरलोड, और हवाई अड्डों की सीमित क्षमता द्द यह त्रिकोण हादसों की बड़ी वजहें हैं।

भारत में पिछले 5 वर्षों में 24 से अधिक छोटे-बड़े विमान हादसे हुए हैं। डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) और एमओसीए (नागर विमानन मंत्रालय) की रिपोर्ट बार-बार सुरक्षा प्रणाली में सुधार की मांग करती रही है, लेकिन जमीनी हकीकत अभी भी चिंताजनक है।

आखिर कब तक? कब थमेंगे विमान हादसे!

हर विमान हादसे के बाद वही सवाल उठते हैं, ह्लक्यों हुआ?ह्व, ह्लकौन जिम्मेदार?ह्व, और सबसे बड़ा सवाल ह्लआखिर कब तक?ह्व तकनीकी प्रगति, अंतरराष्ट्रीय मानक, और सुरक्षा प्रणालियों के बावजूद भी भारत समेत दुनियाभर में विमान हादसे थम नहीं रहे। बीते वर्षों में हुई घटनाएं बताती हैं कि समस्या कहीं न कहीं प्रणालीगत और मानवीय चूक से जुड़ी है। यह रिपोर्ट न केवल भारत, बल्कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भी विमान सुरक्षा की मौजूदा हालत को उजागर करती है। हादसों के सामान्य कारणः तकनीकी खराबीः इंजन फेल, रडार सिस्टम की विफलता , मानव त्रुटिः पायलट की गलत निर्णय क्षमता, एटीसी से संवाद की चूक , खराब मौसमः दृश्यता की कमी, रनवे पर पानी, एयर ट्रैफिक कंजेशनः उड़ानों की अत्यधिक संख्या अनियमित निरीक्षण एवं रखरखावः समय पर जाँच नहीं होना।

# डोनाल्ड ट्रंप व एलॉन मस्क के बीच अलगाव से समझौते तक की कहानी


अशोक भाटिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अरबपति कारोबारी एलॉन मस्क के बीच में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा था . मस्क ने पहले उड्ड्रू से इस्तीफा दिया और अब इस्तीफे के बाद वह खुलकर ट्रंप के खिलाफ खड़े हो गए हैं. दोनों ओर से दनादन आरोपों की बौछार होती रही . 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में मस्क ने ट्रंप का खुलकर समर्थन किया था. उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए ट्रंप के समर्थन में जबरदस्त कैंपेन चलाया था और कई मौकों पर सार्वजनिक रैलियों में शिरकत की थी. मस्क को इसका इनाम भी मिला और उन्हें DOGE का प्रभार सौंप दिया गया. लेकिन फिर आया ट्रंप का महत्वाकांक्षी डल्ली इं, ईं४३१४' इ'' जिसे जोर-शोर से पारित किया गया. मस्क ने पहले दबी-जुबान में इसका विरोध किया और बात नहीं बनने पर खुलकर इसके विरोध में खड़े हो गए. इस बिल का मस्क की ओर से विरोध किए जाने की वजह सामने आई कि इस बिल में इलेक्ट्रिक वाहनों के टैक्स क्रेडिट को खत्म कर दिया गया, जिससे मस्क के टेस्ला की बिक्री पर सीधे-सीधे असर पड़ता. इस वजह से मस्क ने इस बिल को विध्वंस्क बताते हुए ट्रंप पर रातोरात इसे पारित करने का आरोप लगा दिया.

ट्रंप ने मस्क पर निशाना साधते हुए कहा कि मुझे इसमें कोई परेशानी नहीं है कि मस्क मेरे खिलाफ खड़े हो गए . उन्हें ये महीनों पहले कर देना चाहिए था. ये संसद में पेश किया गया अब तक का सबसे बेहतरीन बिल है. इसे सरकार का भारी-भरकम खर्चा बचेगा और टैक्स में अब तक की सबसे बड़ी कटौती होगी. अगर ये बिल पारित नहीं होता तो टैक्स में 68 फीसदी बढ़ोतरी होती. इस पर एलॉन मस्क ने पलटवार करते हुए कहा कि ये बिल मुझे एक बार भी नहीं दिखाया गया और इसे रातोरात पारित कर दिया गया ताकि संसद में भी इसे कोई पढ़ ना सके. इस तरह ट्रंप और मस्क अब खुलकर एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं. ट्रंप ने सिलसिलेवार पोस्ट कर मस्क पर निशाना साधते हुए कहा कि हमारे बजट की एक भारी-भरकम धनराशि खर्च करने से बचाने का आसान तरीका है कि मस्क की सराकरी सब्सिडी और कॉन्ट्रैक्ट को खत्म कर देना चाहिए. मुझे हैरानी है कि बाइडेन ने ऐसा क्यों नहीं किया?

इस पर मस्क भी चुप नहीं बैठे. उन्होंने पलटवार करते हुए कहाकि मेरे सरकारी कॉन्ट्रैक्ट रद्द करने के राष्ट्रपति के बयान के मद्देनजर स्पेसएक्स जल्द ही अपने ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट की डिकमिशनिंग शुरू कर देगा.ट्रंप ने कहा कि मस्क मेरे खिलाफ खड़ा हो गया है क्योंकि मैंने उन्हें उड्ड्रू छोड़ने को कहा था. मैंने इलेक्ट्रिक वाहन मैंडेट खत्म कर दिया. इसकी वजह से लोग इलेक्ट्रिक कार खरीदने को मजबूर हो रहे थे. इस वजह से वह (मस्क) क्रेजी हो गया है. इसका जवाब देते हुए मस्क ने कहा कि ट्रंप के टैरिफ से इस साल की दूसरी छमाही में मंदी आ सकती है. मस्क और ट्रंप की जुबानी जंग ने निवेशकों की टेंशन बढ़ा दी . जिस वजह से मस्क की टेस्ला के शेयरों में गिरावट आई है. 2010 में टेस्ला के पब्लिक होने के बाद 15 साल में गुरुवार को 11वां ऐसा मौका था, जब टेस्ला के शेयर में इतनी ज्यादा गिरावट देखने को मिली.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और अरबपति व्यवसायी एलन मस्क के बीच असहमति थी और यह कप में तूफान बन गया। दोनों कल एक समझौते पर पहुंचे और एक अरबपति व्यापारी और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच समझौता आखिरकार अस्तित्व में आ गया है। अब जब वे एक समझौते पर पहुंच गए हैं, तो यह देखा जाएगा कि मस्क ट्रम्प को अमेरिकी राष्ट्रपति की कुर्सी पर बिठाने के लिए जिम्मेदार थे और यह उनके समर्थन के कारण था कि ट्रम्प दूसरे राष्ट्रपति बने। जैसा कि ट्रम्प ने कार्यकाल के लिए तैयार किया, इसमें कोई संदेह नहीं है कि अरबपति व्यापारिक नेताओं ने उनकी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उदाहरण के लिए, राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन के चुनाव में, उस समय के उद्योगपति जिनके नाम अभी भी कटघरे में हैं, ने ट्रूमैन को राष्ट्रपति बनने की अनुमति दी।

ट्रम्प और मस्क का अब एक समान संबंध है। बेशक, ट्रम्प और ट्रूमैन के बीच का अंतर महत्वपूर्ण है। ट्रूमैन कभी भी ट्रम्प की तरह घृणित नहीं रहे हैं। लेकिन वैसे भी, ट्रम्प और मस्क के बीच संबंध 2024 में उजागर हुए जब मस्क ने एक ऐसी भूमिका निभाई जिसे ट्रम्प अभियान में नहीं भुलाया गया था। तब से, ट्रम्प और मस्क के बीच निकटता बढ़ी है और व्हाइट हाउस अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। लेकिन पिछले हफ्ते उनके रिश्ते में तनाव आने लगा, और दोनों टकराव में शामिल होने लगे, जिससे जनता की आलोचना हुई, किन फिर एक कड़वा झगड़ा।

पिछले हफ्ते ट्रम्प और मस्क के बीच साझेदारी तनावपूर्ण थी, और पिछले हफ्ते ट्रम्प और मस्क के बीच तनाव एक बातचीत में बदल गयाः 78 वर्षीय मस्क ने कहा कि ट्रम्प उनके बिना चुनाव नहीं जीत सकते थे, जबकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से ट्रम्प पर ३पूरी तरह से कृतघ्न३ होने का आरोप लगाया और सार्वजनिक रूप से ट्रम्प पर एक विश्व प्रसिद्ध व्यवसायी और एक अन्य अमेरिका के सबसे शक्तिशाली अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच संघर्ष के परिणाम के बारे में ३पूरी तरह से कृतघ्न३ होने का आरोप लगाया। दुनिया ने अनुमान लगाया। अब जब दुनिया थोड़ी ठीक हो गई है, तो दोनों जानते हैं कि इस संघर्ष का परिणाम अच्छा नहीं होगा। ट्रम्प ने मस्क में विशाल उद्योग को हिला देने की धमकी दी है, और मस्क का दिल याद किया जा सकता है, जिससे मस्क को अपनी धमकी वापस लेने और ट्रम्प के साथ सामंजस्य स्थापित करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

इस विवाद का अपरिहार्य परिणाम यह था कि ट्रम्प ने मस्क की कंपनियों को अपने सरकारी नियंत्रण से छीन लिया, और परिणामस्वरूप, मस्क की टेस्ला की कीमतें गुरुवार को 14 प्रतिशत गिर गईं। बेशक, यह एकतरफा घोषणा नहीं थी, लेकिन मस्क ने ट्रम्प पर महाभियोग लगाने की धमकी भी दी थी। मस्क युद्ध नहीं जीत सकते हैं, लेकिन वह ट्रम्प को सबक सिखा सकते हैं और अपनी कीमत वसूल सकते हैं। ट्रम्प को इसके बारे में पता होना चाहिए। लेकिन उन्होंने कहा कि मस्क को पहले ही अपनी कैबिनेट छोड़ देनी चाहिए थी, लेकिन अब दोनों को अपनी गलतियों का एहसास हो गया है और दोनों ने अपनी-अपनी गलतियां की हैं, और कौन जीतता है या हारता है, यह इस बात पर निर्भर करता कि कौन जीतता है या हारता है। ट्रम्प और मस्क ने एक शक्तिशाली लेकिन अनौपचारिक, लेकिन असंभव प्रतीत होने वाला गठबंधन खोला, और अब ऐसा लगता है कि इसे फिर से मजबूत किया गया है, लेकिन पता नहीं यह कब तक चलता , क्योंकि दोनों अहंकार एक-दूसरे के साथ बाधाओं पर रहे , इसलिए यह कहना असंभव है कि यह अस्थायी पैचअप कितने समय तक चलेगा। यह संघर्ष कहां जा रहा हैः कांग्रेस में रिपब्लिकन सांसदों को ट्रम्प के पीछे सदस्यों को रखना मुश्किल होगा।

ट्रम्प ने पहले से ही मस्क के सरकारी अनुबंधों को आगे बढ़ाना जारी रखा है, जबकि मस्क ने उन लोगों को कवर देना बंद कर दिया है जो उनके प्रति शत्रुतापूर्ण हैं, जो ट्रम्प की सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं को नुकसान पहुंचाएंगे, डेमोक्रेट्स के साथ, और कुछ मस्क का स्वागत करने के लिए तैयार हैं क्योंकि मस्क ने उनकी पार्टी की मदद की है और उन्हें अपनी पार्टी में वापस लाने के लिए तैयार हैं। लेकिन एक पूरे के रूप में डेमोक्रेट विभाजित और भ्रमित हैं, और कुछ राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि यह एक शून्य-राशि का खेल है, जिसका अर्थ है कि किसी भी समय ट्रम्प ऐसा कदम उठाते हैं जो रिपब्लिकन पार्टी को नुकसान पहुंचाएगा।

अभी के लिए, हालांकि, डेमोक्रेट दूर से दो दिग्गजों के बीच लड़ाई देखते रहे और किसी का समर्थन नहीं करते रहे । बेशक, युद्ध का बुरा प्रभाव पड़ा हैः नासा के अंतरिक्ष नेतृत्व के मामले में, नासा का अंतरिक्ष मिशन खतरे में है और मस्क अब अपने मिशन के लिए वित्तीय सहायता वापस लेने की संभावना है।अंतरिक्ष विज्ञान में अमेरिका की छलांग। हालाँकि यह शब्दों के युद्ध के साथ शुरू हुआ था, लेकिन अब यह एक युद्ध बिंदु में समाप्त हो गया है और इसने अमेरिकी अंतरिक्ष विज्ञान और अन्वेषण को कड़ी टक्कर दी है। ट्रम्प ने आग में तेल डाला है और स्पेसएक्स के साथ मस्क के अंतरिक्ष सौदे को तोड़ने की संभावना है, जिसने मस्क को उतना ही नुकसान पहुंचाया है जितना ट्रम्प को भुगतना पड़ा है। दोनों में से कोई भी नहीं कह सकता कि आगे क्या होगा।

# वैश्विक-युद्ध का नया त्रिकोण, इजरायल ईरान और अमेरिका


संजीव ठाकुर

अब अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में नया और खतरनाक मोड़ ले लिया है नए संदर्भ में इजरायल ईरान और अमेरिका की भूमिका काफी खतरनाक और संदिग्ध हो गई है युद्ध का जुनून ईरान द्वारा परमाणु ईंधन यूरेनियम के भंडारण तथा उपयोग को लेकर अमेरिका तथा इसराइल के सिर पर चढ़कर बोलने लगा है। 13 जून को इजराइल का ईरान पर बड़ा हमला दोनों शत्रुओं के बीच कई दशकों पुरानी दुश्मनी का नतीजा है। इसराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनाहु काफी लंबे समय से ईरान को अपना सबसे बड़ा दुश्मन और खतरा बताते आ रहे हैं। इसराइल ने ईरान पर हमले की योजना इसराइल हमास युद्ध के दौरान बना ली थी और इस हमले के नेपथ्य में इसराइल के विरुद्ध छद्म युद्ध रहा है। ईरान ने यमन में हूती विद्रोहियों और लेबनान में हिजबुल्ला को व्यापक समर्थन देकर इसराइल के लिए सुरक्षा के कई खतरे पर सवाल खड़े कर दिए थे। यह उग्रवादी अक्सर इजरायल में तोड़फोड़ हत्या और अनेकों आक्रमण में शामिल रहे हैं। ईरान ने 1979 की इस्लामी क्रांति के तुरंत बाद से ही अमेरिका और इसराइल को अपना सबसे बड़ा तथा मुख्य विरोधी तथा दुश्मन मानता रहा है तभी से यह त्रिकोणीय संघर्ष और तनाव ताजा हमलो के रूप में सामने आया है। इसराइल और अमेरिका ने लगातार दो दशकों से कई बार ईरान पर परमाणु हथियार विकसित करने तथा इसे इसराइल तथा अमेरिका के विरुद्ध इस्तेमाल करने की धमकी के रूप में आरोप लगाया है। गौरतलब है कि अमेरिका और इजरायल की ईरान से दुश्मनी काफी पुराने समय से पकती रही है जिसके फल स्वरुप इजरायल ने ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले किए जिससे सेना उप प्रमुख समेत ईरानी फौज के बीस महत्वपूर्ण कमांडर मारे गए हैं इसके अलावा ईरान के 6 परमाणु वैज्ञानिक भी मौत के घाट उतार दिए गए। इसराइल ने ऑपरेशन लॉयन के तहत 200 लड़ाकू विमान से ईरान के लगभग 100 ठिकानों को तबाह किया है जिसका बहुत बड़ा कारण ईरान के सुप्रीम नेता खोमनई द्वारा इसराइल को कड़ी सजा देने की चेतावनी बताया गया है। वैसे अब इसराइल के इस बड़े हमले से पश्चिम एशिया में दो कट्टर दुश्मनों के बीच व्यापक तथा भयानक युद्ध की आशंका बढ़ गई है। ईरान ने इस हमले के जवाब में सो बमवर्षक ड्रोन इसराइल पर दागे थे जिसे इजरायल फौजों ने नाकाम भी कर दिया है। यरूसलम की समाचार एजेंसी के अनुसार इसराइल के ईरानी हमले पर ईरान के तीन शीर्ष फौजी के कमांडर मारे गए हैं इसमें ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोहम्मद बाघेरी, और महत्वपूर्ण तथा शक्तिशाली अर्धसैनिक बल रिवॉल्यूशनरी गाड्र्स के प्रमुख हुसैन सलामी तथा ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के प्रमुख जनरल आमिर अली की मौत हो चुकी है। इसके अलावा ईरानी सुरक्षा बलों के 17 प्रमुख एवं वरिष्ठ कमांडर भी मारे गए हैं । यह अत्यंत उल्लेखनीय है कि ईरान इजरायल के ईरान पर हमले से वरिष्ठ वैज्ञानिकों के मरने से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को एक बहुत बड़ा झटका लगा है इन वैज्ञानिकों की मौत से परमाणु बम बनाने के ईरानी सपनों की भी मौत हो गई है।

ईरानी के सर्वोच्च नेता राष्ट्रपति अयातुल्लाह अली खामनेई ने कहा कि दुश्मन को बहुत पछताना पड़ेगा उन्होंने अपने एक बयान में कहा कि इसराइल ने ईरान में हमले करके जो अपराध कर अपना खूनी हाथ दिखाया है उसके लिए उसे बहुत पछताना पड़ेगा इसराइल को इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी हम अब चुप नहीं बैठेंगे और इसराइल इस ईरान के बदले को सदियों तक याद रखेगा। अंतर्राष्ट्रीय रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार इसराइल और ईरान की लड़ाई परमाणु ईंधन यूरेनियम के ईरान द्वारा जमा किए जाने पर हुई है इसराइल के प्रधानमंत्री ने कहा है कि ईरान को किसी भी कीमत पर जमा किए गए यूरेनियम से परमाणु बम बनाने नहीं दिया जाएगा यह इजरायल की पीढ़ियों के लिए खतरा बन गया है और जब तक ईरान इस बात से सहमत नहीं होगा कि वह परमाणु बम नहीं बनाएगा यह ऑपरेशन राइजिंग लायन जारी रहेगा। इधर इजराइल में आपातकाल घोषित कर दिया गया तथा इसराइल ने दुनिया भर में अपने सभी दूतावासों को बंद कर दिया है उन्होंने आशंका व्यक्त की है कि ईरान इजरायल के आवासीय परिसरों में हमला कर सकता है। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप ने इसराइल के पक्ष में अजीबो-गरीब बयान दिया है उन्होंने ईरान को चेतावनी देते हुए समझाया है कि समझौते के लिए अभी भी सही समय है नहीं तो परिणामतः इसराइल के हमले और तेज तथा बदतर होंगे। उन्होंने आगे कहा कि जिन ईरानी नेताओं ने बढ़ चढ़कर बहादुरी दिखाई थी वे सब इजरायल के हमले से मारे गए अभी भी समय है संभल जाओ। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपतियों से सबसे अलग डोनाल्ड ट्रंप ऐसा प्रतीत होता है कि अपनी व्यापारिक नीति और युद्ध नीति को अभी तक निर्धारित नहीं कर पाए हैं। भारत-पाक युद्ध में भी अमेरिका क रवैया काफी अपरिपक्व ही रहा है और ताजा समाचारों के अनुसार अमेरिका ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ लड़ने वाला देश बताया है और पाकिस्तान के सोकॉल्ड फील्ड मार्शल असीम मुनीर के जन्मदिन पर उन्हें अमेरिका आमंत्रित किया है। ऐसा लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप अपनी बढ़ती उम्र के साथ मानसिक संतुलन भी होते जा रहे हैं।

वर्तमान परिदृश्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजरायल ईरान युद्ध में अमेरिका की संदेहास्प भूमिका के कारण नए विश्व युद्ध का त्रिकोण तैयार हो रहा है इसराइल के प्रधानमंत्री ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जानकारी दी है जिसमें भारत के प्रधानमंत्री ने कहा कि इसराइल और ईरान को तनाव बढ़ाने वाले किसी भी काम से बचना चाहिए वार्ता का रास्ता अपनाना चाहिए भारत के दोनों देशों से महत्वपूर्ण संबंध है और भारत सदैव मदद के लिए तैयार है। भारत के नागरिक दोनों देशों में निवासरत हैं उन्हें भारत ने सावधान रहने की सलाह दी है। इजरायल ईरान के हालिया युद्ध के पर्यावरण में यदि अन्य देशों की आवाजाही बनती है तो विश्व युद्ध होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।जो वैश्विक शांति के लिए एवं मानवता के लिए खतरनाक साबित हो सकती है।

# पृथ्वी में जीवन का रक्षक ओजोन परत



ओजोन परत का संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके नुकसान से जीवित प्राणियों के लिए कई प्रकार के खतरे उत्पन्न हो सकते हैं।ओजोन परत पृथ्वी के वायुमंडल में एक पतली परत होती है, जो कि ओजोन (ड3) नामक गैस से बनी होती है। यह परत वायुमंडल के स्ट्रेटोस्फियर में स्थित होती है, जो कि पृथ्वी की सतह से लगभग 20-30 किलोमीटर की ऊंचाई पर होती है। ओजोन परत का मुख्य कार्य पराबैंगनी (यूवी) विकिरण को अवशोषित करना है, जो कि सूर्य से आता है। यह विकिरण जीवित प्राणियों के लिए बहुत हानिकारक हो सकता है, क्योंकि यह डीएनए को नुकसान पहुंचा सकता है और त्वचा कैंसर जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है।

ओजोन परत का कार्य पृथ्वी और उसमें रहने वाले जीव जगत की रक्षा करने का अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। यह पृथ्वी के चारों ओर ओजोन की परत को संरक्षित रखता है, जो कि सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी विकिरण को अवशोषित करती है। यह परत पृथ्वी पर जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मानव, पशु और पौधों को पराबैंगनी विकिरण के हानिकारक प्रभावों से बचाती है। यह सूर्य से आने वाली पराबैंगनी विकिरण को अवशोषित करके पृथ्वी की सतह तक पहुंचने से रोकती है। वहीं यह पराबैंगनी विकिरण से होने वाले नुकसान से पृथ्वी पर जीवन को बचाती है, जैसे कि त्वचा कैंसर, मोतियाबिंद, और प्रतिरक्षा प्रणाली में कमी। ओजोन परत के कारण ही धरती पर जीवन संभव है। यह परत सूर्य के उच्च आवृत्ति के पराबैंगनी प्रकाश की 90-99% मात्रा, जो पृथ्वी पर जीवन के लिये हानिकारक होती है, उसे अवशोषित कर लेती है। इसका मतलब है ओजोन परत हमारे पृथ्वी के पर्यावरण और जीव जगत के लिए सुरक्षा कवच का महत्वपूर्ण कार्य करता है जिसे हमें बचाना और सुरक्षित रखना भी इतना ही आवश्यक है जितना इसके क्षय प्रक्रिया को रोकना।

पृथ्वी के वायुमंडल का 91% से अधिक ओजोन यहां मौजूद है। यह मुख्यतः स्ट्रैटोस्फियर (समताप मंडल) के निचले भाग में पृथ्वी की सतह के ऊपर लगभग 10 किमी से अधिक तथा पृथ्वी से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी तक स्थित है, यद्यपि इसकी मोटाई मौसम और भौगोलिक दृष्टि से बदलती रहती है। इसके अणु एक ढाल की तरह काम करते हैं जो हमें सौर विकिरण से बचाते हैं। जब विकिरण ओजोन परत तक पहुंचता है, तो यह ओजोन अणुओं से होकर गुजरता है और ये विकिरण के हिस्से को अंतरिक्ष में वापस भेजने के लिए जिम्मेदार होते हैं, इस तरह हम तक पहुंचने वाला विकिरण कम से कम हो जाता है। ओजोन परत का क्षय का अर्थ है यह एक वायुमंडलीय छिद्र है जो बड़ी मात्रा में पराबैंगनी प्रकाश को प्रवेश करने देता है और यह ध्रुवों, अंटार्कटिक महाद्वीप और आर्कटिक महासागर पर स्थित है, जो दोनों गोलार्दों में वसंत के दौरान विशेष रूप से बड़ा होता है और जिसके परिणामस्वरूप ग्रीष्म ऋतु लंबी हो जाती है।

हालांकि यह छेद वायुमंडल में ओजोन के प्राकृतिक उतार-चढ़ाव के कारण है, लेकिन यह मानवीय गतिविधियों के कारण भी होता है जो गैसों का उत्सर्जन करते हैं जो समताप मंडल में पहुँच जाते हैं और ओजोन अणुओं को खराब कर देते हैं, जिससे ओजोन परत में इस छेद का आकार और प्रभाव बढ़ जाता है। यह एक पर्यावरणीय और स्वास्थ्य समस्या है, क्योंकि सौर विकिरण की अधिकता किसी भी प्रकार के जीवन के लिए खतरा है। ओजोन परत को किसी भी तरह के नुकसान के परिणाम कई गुना हैं। हानिकारक ओड्स, ओजोन परत में छेद कर सकते हैं, जिससे यूवी किरणें सीधे पृथ्वी पर आ सकती हैं। यूवी विकिरण के लंबे समय तक संपर्क में रहने से मानव जीवन को खतरा होता है। और अधिकांश जानवरों, पौधों और सूक्ष्म जीवों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचता है। इसके अलावा, कई ओजोन-क्षयकारी पदार्थ भी शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैसें हैं जो वायुमंडल में जमा होने और ग्रह को गर्म करने पर जलवायु परिवर्तन में योगदान करती हैं।

ओजोन परत की खोज 1913 में फ्रांसीसी वैज्ञानिक चार्ल्स फैब्री और हेनरी बुसोन ने की थी। उन्होंने पाया कि वायुमंडल में एक परत होती है जो कि ओजोन गैस से बनी होती है और यह परत यूवी विकिरण को अवशोषित करती है।ओजोन परत के नुकसान से कई प्रकार के हानिकारक प्रभाव पड़ सकते हैं-1.त्वचा कैंसर- ओजोन परत के नुकसान से पराबैंगनी विकिरण (यूवी) की मात्रा में वृद्धि होती है, जिससे त्वचा कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। 2. आंखों की समस्याएं-यूवी विकिरण से आंखों में समस्याएं हो सकती हैं, जैसे कि मोतियाबिंद और आंखों की जलन। 3.फेफड़ों की समस्याएं-यूवी विकिरण से फेफड़ों की समस्याएं हो सकती हैं, जैसे कि अस्थमा और फेफड़ों का कैंसर। 4. पौधों और फसलों को नुकसान-यूवी विकिरण से पौधों और फसलों को नुकसान पहुंच सकता है, जिससे खाद्य उत्पादन में कमी आ सकती है। 5. जलीय जीवन को नुकसान- यूवी विकिरण से जलीय जीवन को नुकसान पहुंच सकता है, जिससे मछलियों और अन्य जलीय जीवों की संख्या में कमी आ सकती है। 6. वायुमंडलीय परिवर्तन- ओजोन परत के नुकसान से वायुमंडलीय परिवर्तन हो सकते हैं, जैसे कि तापमान में वृद्धि और मौसम पैटर्न में बदलाव। 7. मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव- ओजोन परत के नुकसान से मानव स्वास्थ्य पर कई प्रकार के प्रभाव पड़ सकते हैं, जैसे कि त्वचा की समस्याएं, आंखों की समस्याएं और फेफड़ों की समस्याएं।

इन सभी प्रभावों को देखते हुए ओजोन परत के संरक्षण के लिए तत्काल कार्रवाई करना आवश्यक है। ओजोन परत की रक्षा करने के लिए कई कदम उठाए जा सकते हैंः1. क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) के उपयोग को कम करना-सीएफसी ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों में से एक हैं। इनका उपयोग रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर और अन्य उपकरणों में किया जाता है। 2. हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (एचएफसी) के उपयोग को सीमित करना- एचएफसी भी ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों में से एक हैं। इनका उपयोग रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर और अन्य उपकरणों में किया जाता है। 3. ओजोन-मित्री तकनीक को अपनाना-ओजोन-मित्री तकनीक में सीएफसी और एचएफसी के बजाय अन्य रसायनों का उपयोग किया जाता है जो ओजोन परत को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। 4. ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करना-ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करने से ऊर्जा की खपत कम होती है और ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों के उपयोग में भी कमी आती है। 5. वाहनों से निकलने वाले प्रदूषकों को कम करना- वाहनों से निकलने वाले प्रदूषक ओजोन परत को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

इसलिए, वाहनों से निकलने वाले प्रदूषकों को कम करने के लिए वाहनों को नियमित रूप से मेंटेनेंस करना और स्वच्छ ईंधन का उपयोग करना महत्वपूर्ण है। 6. कूड़ा-कचरा प्रबंधन में सुधार करना-कूड़ा-कचरा प्रबंधन में सुधार करने से ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों के उपयोग में कमी आ सकती है। 7. जागरूकता फैलाना- ओजोन परत के महत्व और इसके संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाना महत्वपूर्ण है। इससे लोग ओजोन परत की रक्षा करने में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। इन कदमों को उठाकर हम ओजोन परत की रक्षा कर सकते हैं और इसके संरक्षण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

# पर्यावरण ही, जीवनका सत्य आवरण

-विक्रम दयाल


-विक्रम दयाल

परि जो हमारे चारो तरफ है आवरण जो हमें चारो ओर से घेरे हुए है अर्थात पर्यावरण का शाब्दिक अर्थ होता है चारो तरफ से घेरे हुए। पर्यावरण उन सभी भौतिक रासायनिक एवं जैविक कारको की समष्टिगत एक इकाई है जो किसी जीवनधारी अथवा पारितंत्रीय आबादी को प्रभावित करते हैं तथा उनके रूप जीवन और जीविता को तयं करते हैं। पर्यावरण प्रत्येक जीव के साथ जुड़ा हुआ है और हमारे चारो तरफ हमेशा व्याप्त रहता है। पर्यावरण सामान्य अर्थों में हमारे जीवन को प्रभावित करने वाले सभी जैविक और अजैविक तत्वों तथ्यों प्रक्रियाओं और घटनाओं के समुच्चय से निर्मित इकाई है जो हमारे चारो तरफ व्याप्त है और हमारे जीवन में प्रत्येक घटना इसी के अंदर संपादित होती है। पर्यावरण से जैविक संघटकों में सूक्ष्म जीवाणु से लेकर कीड़े मकोड़े सभी जीव जंतु, अडज पिंडज स्थावर आ जाते हैं। और इसके साथ ही उनसे जुड़ी सारी जैव क्रियाएँ और प्रक्रियाएं भी हैं। मानव हस्तक्षेप के आधार पर पर्यावरण को दो प्रखंडों में विभाजित किया गया है। प्राकृतिक या नैसर्गिक पर्यावरण। मानव निर्मित पर्यावरण, और प्राकृतिक पर्यावरण जिसमें मानव हस्तक्षेप बिल्कुल न हुआ हो। तकनीकी मानव द्वारा आर्थिक उद्देश्य और जीवन में विलासिता के लक्ष्यों को प्राप्ति हेतु प्रकृति के साथ व्यापक छेड़छाड़ के क्रियाकलापों ने प्राकृतिक पर्यावरण का संतुलन नष्ट किया है। जिससे प्राकृतिक व्यवस्था प्रणाली के अस्तित्व पर संकट उत्पन्न हो गया है। जैसे जैसे प्राकृतिक पर्यावरण के साथ मानवसमाज द्वारा खिलवाड़ किए जारहा है, ठीक वैसे वैसे प्राकृतिक आपदायों या यूँ कहिए कि प्रकोपों में निरंतर बढ़ोतरी होती जारही है। जैसे मौसम में अधिक गर्मी, बिन मौसम अधिक वर्षा, और अधिक से अधिक ठंड का सभी जीवों को सामना करना पड़ रहा है। यह सब पर्यावरण का संतुलन बिगड़ने के कारण ही होरहा है। मौसम और ऋतुओं के आने जाने में हर साल परिवर्तन होने लगा है। जिसके कारण सामाजिक जीवन में बाधायें उत्पन्न हो रही हैं। पर्यावरण के रक्षण के लिए सरकार वृक्षारोपण को बढ़ावा दे रही है, मगर ना काफी हैं। किसी न किसी बहाने से प्राकृतिक संपदाओं को नष्ट करने का निरंतर कार्य हो रहा है। आज लोग दूषित, हवा और पानी का उपयोग करके बड़ी बड़ी विमारियों के शिकार होते जा रहें हैं। पर्यावरण सी रक्षा के लिए शहरी और ग्रामीण इलाकों के लोग मिलकर एक साथ वृक्षारोपण करें तो बहुत कुछ परेशानियों से निजात मिल सकती है। आज स्वयं के फायदे के लिए लोग खाली पड़ी जमीनों पर कांक्रीट की इमारतें खड़ी करते जा रहें हैं। पेड़ पौधे कोई भी नही लगा रहा है। जबकि आज जरूरत है धरती के पर्यावरण को बचाने की? धरती और पर्यावरण के संतुलन को बचा कर रखने के लिए जरूरत है हरियाली बढ़ाने की, जंगल बढ़ाने की, पेड़ लगाने की। तभी हम बेकाबू प्राकृतिक आपदाओं पर काबू पा सकते हैं। जीवन को सुरक्षित रख सकते हैं। आइये हमसब मिलकर पेड़ लगायें, जीवन सुरक्षित बनायें। क्योंकि पर्यावरण ही जीवनका सत्य आवरण है।

## समाजसेवी कृष्णकुमार शुक्ला के निधन से शोक की लहर

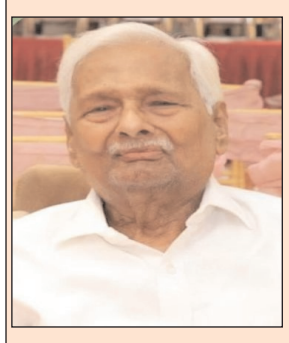

**ठाणे (उत्तरशक्ति)।** महानगर के प्रसिद्ध समाजसेवी तथा औषधि निमार्ता कृष्णकुमार शुक्ला का 87 वर्ष की उम्र में ठाणे स्थित उनके निवास पर निधन हो गया। वे अत्यंत धार्मिक और दयालु स्वभाव के व्यक्ति थे। वह अपने पीछे अपने बेटे सुशील शुक्ला तथा चार बेटियों से भरा पूरा परिवार छोड़ गए। ठाणे पश्चिम के कपूरबावड़ी स्थित सीपी गोयंका इंटरनेशनल स्कूल के प्रथम मंजिला पर स्थित सभागृह में 21 जून को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक तेरहवीं का कार्यक्रम संपन्न होगा। उनके निधन पर पूर्व उप शिक्षण अधिकारी अशोक मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, उद्योगपति डॉ नागेश पांडे, गौतम विद्यालय के प्रबंध ट्रस्टी आशीष गौतम, एडवोकेट भारत पांडे, आचार्य गुलाबधर पांडे, प्रधानाध्यापक श्रीप्रकाश त्रिगुणायत समेत अनेक लोगों ने गहरा दुख प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है।

## बाढ़ क्षेत्र संबंधी दिशा-निदेर्शों को पुनर्मूल्यांकित करें : फडणवीस का अधिकारियों को निर्देश

**मुंबई।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अधिकारियों को बाढ़ नियंत्रण के उचित उपायों को लागू करने के बाद राज्य भर में बाढ़ क्षेत्र संबंधी दिशानिदेर्शों का पुनर्मूल्यांकन करने और पुनर्परिभाषित करने का निर्देश दिया है। फडणवीस ने कहा कि मौजूदा सीमांकन उन क्षेत्रों में विकास गतिविधियों को रोक रहा है जहां दशकों से बाढ़ नहीं आई है। फडणवीस ने कहा, ह्यहकई नदियों की बाढ़ रेखाएं पुरानी हो चुकी हैं और कई वर्षों से इनमें से कई क्षेत्रों में बाढ़ की घटनाएं नहीं होने के बावजूद विकास में बाधा बन रही हैं। जल संसाधन विभाग को नए सिरे से सर्वेक्षण करना चाहिए और बाढ़ नियंत्रण उपायों को लागू करने के बाद संशोधित दिशा-निर्देश सुझाने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा, बाढ़ रेखा के पुराने सीमांकन के कारण विकास कार्य रुकावट का सामना कर रहे हैं। इसलिए बाढ़ नियंत्रण उपायों को सभी नदी तटों पर लागू किया जाना चाहिए और बाढ़ रेखाओं से संबंधित दिशा-निदेर्शों को फिर से परिभाषित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने जल संसाधन विभाग को उन क्षेत्रों में बाढ़ रेखा का नए सिरे से सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया जहां कई वर्षों से बाढ़ नहीं आई है।

## मनसे चीफ राज ठाकरे मना रहे 57वां जन्मदिन

**मुंबई।** भारतीय राजनेता और पॉलिटिकल पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के चेयरपर्सन राज ठाकरे आज यानी की 14 जून को अपना 57वां जन्मदिन मना रहे हैं। वह महाराष्ट्र के पूर्व चीफ मिनिस्टर उद्धव ठाकरे के चचेरे भाई हैं। राज ठाकरे अपने विवादित बयानों के कारण अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं। ऐसे में उनको कॉन्ट्रोवर्सी किंग कहना भी गलत नहीं होगा। इस इमेज को बरकरार रखते हुए लाउड स्पीकर और मस्जिदों के विषय में दिए अपने बयान के कारण भी वह काफी सुर्खियां बटोर चुके हैं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर राज ठाकरे के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...मुंबई में 14 जून 1968 को राज ठाकरे का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम श्रीकांत ठाकरे और मां का नाम कुंडा ठाकरे था। राज ठाकरे का असली नाम स्वरराज श्रीकांत ठाकरे है। वह पेशे से भारतीय राजनेता हैं। हालांकि राज ठाकरे ने अपनी राजनीतिक सफर की शुरूआत साल 2006 में की थी।

राज ठाकरे ने बाल मोहन विद्या मंदिर से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की थी। वहीं सर जे.जे इंस्टीट्यूट ऑफ अप्लाइड आर्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी की। ग्रेजुएशन के बाद उन्होंने वीकली मैगजीन 'मार्मिक' में बतौर कार्टूनिस्ट काम करना शुरू किया। इसके अलावा राज ठाकरे ने तबला, गिटार और वायलिन भी बजाना सीखा था।

राज ठाकरे ने अपनी सियासी सफर की शुरूआत शिवसेना के स्टूडेंट विंग 'भारतीय विद्यार्थी सेना' के साथ की। साल 1990 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के प्रचार के समय राज ठाकरे प्रमुखता से उभर कर सामने आए थे। साल 1990 के दशक में राज ठाकरे अपने आप को चाचा बालसाहेब ठाकरे के उत्तराधिकारी के तौर पर मानते थे। लेकिन बालासाहेब ने अपने बेटे उद्धव ठाकरे को अपना उत्तराधिकारी चुना। राज ठाकरे कई सालों तक शिवसेना में रहे और साल 2005 में पार्टी से साइडलाइन होने की वजह से उन्होंने अपना इस्तीफा दे दिया। वहीं 09 मार्च 2006 में राज ठाकरे ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के तौर पर एक नई पार्टी बनाई थी।

# दो महिला फेरीवालों के खिलाफ मामला दर्ज

- केडीएमसी क्षेत्र मेंअवैध फेरी वालों से परेशान आम जनता
- फेरी वालों ने केडीएमसी मुख्यालय में जमकर किया हंगामा

**कल्याण (उत्तरशक्ति)।** कल्याण स्टेशन क्षेत्र में फेरीवालों के खिलाफ कार्रवाई करने गई केडीएमसी टीम का फेरीवालों ने जमकर विरोध किया। जब्त सामान वापस करने की मांग करते हुए उन्होंने सुरक्षा बल की एक महिला को जोरदार धक्का दिया। इतना ही नही फेरी वालों सहायक आयुक्त का कॉलर भी खींचकर धक्का दिया। इस मामले में सहायक आयुक्त धनंजय थोरात ने सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में दो महिला फेरीवालों के खिलाफ महात्माफुले पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने इस मामले में दो महिला फेरीवालों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सहायक आयुक्त थोरात स्टेशन क्षेत्र और छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर कार्रवाई कर रहे थे। उनके साथ फेरीवाला दस्ता प्रमुख संदीप म्हात्रे, नागेश गोधसुर्वे, मोहन जामदार और सुरक्षा बल की महिला लता बोरिकर भी थीं। कार्रवाई के दौरान टीम ने सड़क पर कटलरी बेच रही दो महिलाओं का सामान जब्त कर लिया। इस पर महिलाएं भड़क गईं। उन्होंने जब्त सामान वापस करने की मांग की। इस दौरान महिलाओं ने केडीएमसी टीम के साथ बहस शुरू कर दी। वहीं, अन्य फेरीवाले महिलाओं की मदद के लिए केडीएमसी टीम के खिलाफ खड़े हो गए। फेरी वाली दोनों महिलाओं ने सुरक्षा बल की लता बोरिकर को धक्का दिया। उन्होंने सहायक आयुक्त थोरात को भी कॉलर से पकड़ लिया और उन्हें धक्का दे दिया। कार्रवाई के दौरान, उन्होंने सरकारी काम में बाधा उत्पन्न की। पालिका की इस कार्रवाई से गुस्साए फेरीवाले केडीएमसी मुख्यालय में प्रवेश द्वार पर हंगामा शुरू कर दिया। इस मामले में, सहायक आयुक्त थोरात ने महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में फेरीवाली महिला लक्ष्मी और पूनम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने इस मामले में मामला दर्ज किया है।

## यशवंत गौरव में हिंदवी स्वराज्य स्थापना दिवस मनाया गया

**वसई (उत्तरशक्ति)।** जय भवानी जय शिवाजी भारत माता जय उद्घघोषण के साथ हिंदवी स्वराज्य स्थापना दिवस साप्ताहिक पखवारे के अंतर्गत वीर छत्रपति शिवाजी महाराज जी पर व्याख्यान एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम शनिवार १४ जून २०२५ की शाम को ब्लूबेरी बिल्डिंग, यशवंत गौरव रत्नेश्वर महादेव जी के प्रांगण में संपन्न हुआ। जिसमें यशवंत गौरव साप्ताहिक मिलन बस्ती, श्रीराम शाखा के स्वयंसेवक गण के साथ ही बच्चों एवं बुजुर्गों ने पुष्पांजलि कार्यक्रम में भाग लिया, कार्यक्रम की जानकारी समाजसेवी अमित त्रिपाठी जी ने दिया।

## कुणाल कामरा के खिलाफ जल्द शुरू होगी विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही

**मुंबई।** महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को निशाना बनाने वाले गीत को लेकर स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही जल्द शुरू होगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

भाजपा विधायक प्रवीण दारेकर ने मार्च में बजट सत्र के दौरान राज्य विधान परिषद में कामरा और शिवसेना (उबाठा) की प्रवक्ता सुषमा अंधारे के खिलाफ नोटिस पेश किया था।

विधानसभा सचिव जितेंद्र भोले ने कहा, विधान परिषद के अध्यक्ष राम शिंदे ने भाजपा एमएलसी प्रसाद लाड की अध्यक्षता वाली विशेषाधिकार समिति को नोटिस भेज दिया है।

संपर्क करने पर लाड ने बताया कि उनके नेतृत्व वाली समिति ने विशेषाधिकार हनन नोटिस पर चर्चा करने के लिए बैठक की और उन्होंने कामरा व अंधारे को नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नेताओं और मशहूर हस्तियों के बारे में अपनी बेबाक स्टैंड-अप कॉमेडी के लिए मशहूर कामरा ने मार्च में शिवसेना प्रमुख शिंदे पर निशाना साधते हुए एक गीत गाया था, जिसके बाद कामरा के खिलाफ शिंदे समर्थकों का गुस्सा फूट पड़ा था।

# 100 स्कूल विजिट अभियान के तहत पालघर जिले की 141 स्कूलों में मान्यवरों की होगी उपस्थिती

**पालघर (उत्तरशक्ति)।** महाराष्ट्र शासन के निदेर्शानुसार एवं शिक्षा संचालक (प्राथमिक), पुणे के मार्गदर्शन में पालघर जिले में ह्य100 स्कूल विजिटह्न नामक विशेष अभियान 16 व 17 जून 2025 को भव्य रूप से आयोजित किया जा रहा है। इस उपक्रम के अंतर्गत जिले के विभिन्न 141 स्कूलों में सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि तथा श्रेणी 1 व 2 के वरिष्ठ अधिकारी विद्यालयों का दौरा करेंगे। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नए शैक्षणिक वर्ष के पहले दिन छात्रों की उपस्थिति बढ़ाना, स्कूल की गुणवत्ता में सुधार लाना, एवं जिला परिषद/नगरपालिका विद्यालयों में नामांकन बढ़ाना है। राज्य में विदर्भ को छोड़कर अन्य सभी विभागों में स्कूलें 16 जून से शुरू हो रही हैं। इसी अवसर पर यह अभिनव उपक्रम साकार हो रहा है। जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़ तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के मार्गदर्शन में पूरी योजना तैयार की गई है। लोकप्रतिनिधि कुल 24 स्कूलों का दौरा करेंगे, जबकि प्रशासनिक अधिकारी 117 स्कूलों में उपस्थित रहेंगे। सभी मान्यवरों के साथ एक-एक संपर्क अधिकारी की नियुक्ति भी की गई है। विद्यालयों में छात्रों के स्वागत हेतु खास कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई है:पहली बार स्कूल में प्रवेश लेने वाले बच्चों का गुलाब फूल से स्वागत, ह्यपहला कदमह्न संकल्पना के अंतर्गत बच्चों के पांव के छाप लेकर उसकी प्रति माता-पिता को दी जाएगी, मान्यवरों के हाथों पाठ्यपुस्तक एवं गणवेश का वितरण, प्रभात फेरी, भोजन, पालक व आंगनवाड़ी सेविकाओं की सहभागिता जैसे आयोजन

विद्यालय खुलने से पूर्व गांवों में दवंडी, नोटिस बोर्ड, व्हॉट्सऐप ग्रुप के माध्यम से जानकारी प्रचारित की जा रही है। मान्यवर इन स्कूलों में जाकर शिक्षा की गुणवत्ता, निपुण महाराष्ट्र अभियान, आधारभूत सुविधाएं, स्वच्छता, खेल सामग्री, पोषण आहार योजना, प्रतियोगी परीक्षाएं आदि विविध बिंदुओं की समीक्षा करेंगे और आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान करेंगे। इस अभियान की विशेष बात यह है कि जिन स्कूलों का दौरा अधिकारी करेंगे, उन्हें वे आगामी एक वर्ष के लिए ह्यदत्तक विद्यालयह्न (गोद ली गई स्कूल) के रूप में अपनाएंगे और समय-समय पर उनकी प्रगति की समीक्षा करेंगे। साथ ही, शिक्षण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को भी दो-दो स्कूल गोद लेने का निर्देश दिया गया है। शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने हेतु शिक्षक, आंगनवाड़ी व बालवाड़ी से पात्र बच्चों की सूची तैयार कर, पालकों से संवाद करेंगे और शासकीय शालाओं की सुविधाओं, योजनाओं एवं छात्रवृत्तियों की जानकारी देंगे। कुछ विद्यालयों ने इसके लिए विशेष प्रचार अभियान भी शुरू किए हैं। यह जानकारी शिक्षणाधिकारी (प्राथमिक) सोनाली मातेकर ने दी। इस उपक्रम की प्रभावी अमलबजावनी के लिए शिक्षा विभाग ने ठोस योजना बनाई है।

# चंदौली के विकास में छत्रबली सिंह का महत्वपूर्ण योगदान : लल्लन तिवारी

**भायंदर (उत्तरशक्ति)।** चंदौली जनपद के विकास में छत्रबली सिंह का महत्वपूर्ण योगदान है। विशेष कर ग्रामीण भागों में इनके द्वारा किए गए विकास कार्यों का लाभ आम आदमी को मिल रहा है। मुंबई की यात्रा पर आए चंदौली जनपद के जिला पंचायत अध्यक्ष छत्रबली सिंह का देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन की तरफ से सम्मान करते हुए चेयरमैन तथा समाजसेवी लल्लन तिवारी ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि यह उनकी लोकप्रियता का प्रभाव है कि लगातार तीसरी बार इस पद पर विद्यमान है। छत्रबली सिंह ने राहुल एजुकेशन द्वारा संचालित शिक्षण संस्थानों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षासम्राट पंडित लल्लन तिवारी पर चंदौली जनपद की जनता को गर्व है। इन्होंने कर्मभूमि के साथ-साथ जन्मभूमि को भी संवारने का काम किया है।

उन्होंने जनपद की तरफ से लल्लन तिवारी का आभार मानते हुए कहा कि आपके हाथ से सम्मानित होना मेरे लिए बहुत बड़ा गौरव है।

# बोईसर पुलिस ने दो साल से लापता नाबालिग को इंस्टाग्राम के जरिए ढूंढ निकाला

**पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)।** जिले के बोईसर पुलिस थाना में दर्ज अपराध क्रमांक 245/2025 अंतर्गत बीएनएस 137(2) के मामले में बीते दो वर्षों से लापता किशोर वासुदेव उर्फ रोहित सिंह (उम्र 16 वर्ष) को पुलिस ने सोशल मीडिया की मदद से ढूंढ निकाला है। यह किशोर वर्ष 2023 से लापता था और तमाम प्रयासों के बावजूद पुलिस व परिजनों को उसकी कोई जानकारी नहीं मिल पा रही थी। लेकिन बोईसर पुलिस ने हार न मानते हुए इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की मदद ली और उस पर निगरानी रखी। इसी दौरान एक सुराग हाथ लगा जिससे पुलिस को अहम जानकारी मिली। इस सोशल मीडिया इनपुट के आधार पर छानबीन करते हुए रोहित सिंह को गुरुवार 12 जून 2025 को विरार क्षेत्र से सुरक्षित बरामद कर लिया गया। पुलिस ने आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद किशोर को उसके पिता रामाशंकर सिंह को सौंप दिया है। बोईसर पुलिस की इस तकनीकी सूझबूझ और सतत प्रयासों की स्थानीय नागरिकों द्वारा सराहना की जा रही है। यह घटना सोशल मीडिया के सकारात्मक उपयोग का एक बेहतरीन उदाहरण बन गई है।

# लिवप्योर और यूनिवन ग्रुप की साझेदारी

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** भारत के प्रमुख और सबसे भरोसेमंद ब्रांडों में से एक लिवप्योर, जो उपभोक्ताओं की सेहत और सुविधा को ध्यान में रखते हुए लगातार नवाचार करता रहा है, अब पूरे देश में अपने ब्रांड की मौजूदगी को और मजबूत करने जा रहा है। इसके लिए कंपनी ने यूनिवन ग्रुप के साथ एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की है। इस सहयोग के तहत लिवप्योर अपने हेल्थ और वेलनेस प्रोडक्ट्स को भारत के ज्यादा से ज्यादा घरों तक पहुंचाएगा–एक्सक्लूसिव ब्रांड स्टोर्स के जरिए। ग्राहक इन स्टोर्स पर आकर प्रोडक्ट्स को न केवल देख सकेंगे, बल्कि बेहतर अनुभव और जानकारी भी हासिल कर सकेंगे। इस पहल का उद्देश्य यह है कि ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों पर ग्राहकों को एक जैसा अनुभव मिल सके। इस साझेदारी के तहत अगले 18 से 24 महीनों में 100 से अधिक एक्सक्लूसिव लिवप्योर ब्रांड स्टोर्स खोले जाएंगे। पहले चरण में गुजरात, महाराष्ट्र, हैदराबाद और कर्नाटक जैसे राज्यों में 50 से अधिक स्टोर्स खोले जाने की योजना है। यह विस्तार सिर्फ मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि टियर-1, टियर-2 शहरों और जिला मुख्यालयों तक भी पहुंचेगा–ताकि हर भारतीय परिवार लिवप्योर के उच्च गुणवत्ता वाले वॉटर प्यूरीफायर्स, किचन एप्लायंसेज और एयर कूलर्स का लाभ उठा सके। यूनिवन ग्रुप के पास रिटेल संचालन और ऑम्निचैनल डिस्ट्रीब्यूशन में गहरी विशेषज्ञता है, जो लिवप्योर के इस विस्तार को नई रफ्तार देगी। यह साझेदारी आज के आधुनिक भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों और उम्मीदों के अनुरूप एक बेहतर और स्मार्ट शॉपिंग अनुभव सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

लिवप्योर के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री राकेश कौल ने कहा, ₹लिवप्योर ने हमेशा इनोवेशन और उपभोक्ता की भलाई को प्राथमिकता दी है और वॉटर प्यूरीफायर्स में अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। महज दो वर्षों में ही हम किचन एप्लायंसेज और एयर कूलर्स में भी शीर्ष ब्रांड बनकर उभरे हैं। यूनिवन ग्रुप के साथ अपनी साझेदारी के जरिए हम समूचे भारत में अपने ब्रांड की मौजूदगी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं।

एक्सक्लूसिव लिवप्योर ब्रांड स्टोर्स के जरिए हम ग्राहकों को ऐसा अनुभव देने जा रहे हैं, जहां वे हमारे वेलनेस-आधारित प्रोडक्ट्स को न केवल देख सकें, बल्कि उन्हें समझें, आजमाएं और उनसे जुड़ाव महसूस करें। ये स्टोर्स ब्रांड की मौजूदगी को मजबूत बनाएंगे और साथ ही हमारे वादे ह्यआपकी सेहत के लिए तैयारह्न को हर भारतीय घर तक और करीब ले जाने का काम करेंगे ह्न

यूनिवन ग्रुप के प्रवक्ता श्री सौरभ झवेरी ने कहा, ₹आज के उपभोक्ता मल्टी-ब्रांड शोरूम्स की जगह ऐसे एक्सक्लूसिव स्टोर्स का रुख कर रहे हैं, जहां वे किसी एक ब्रांड के पूरे अनुभव को समझ सकें और उसके प्रोडक्ट्स को नजदीक से देख व आजमा सकें। लिवप्योर के साथ यह साझेदारी उत्कृष्ट क्वालिटी और इनोवेशन को लोगों तक पहुंचाने के हमारे साझा संकल्प को और मजबूत करती है। यह सहयोग लिवप्योर को भारत के बदलते रिटेल परिदृश्य में एक मजबूत ऑम्निचैनल लीडर के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

# पूर्वांचल विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ अध्यक्ष से पिस्टल सटाकर चेन और चार अंगूठियों की लूट

**सुबह टहलकर लौटते समय बदमाशों ने वारदात को दिया अंजाम, सीसीटीवी के सहारे पुलिस जांच में जुटी**

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। लाइनबाजार थाना क्षेत्र के चांदमारी वार्ड में शनिवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर सिंह से बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने पिस्टल की नोक पर लूटपाट कर दी। बदमाशों ने गले से सोने की चेन और चार अंगूठियां लूट लीं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब चार लाख पचास हजार रुपये बताई जा रही है। घटना सुबह 5:03 बजे की बताई गई है, जब नंदकिशोर सिंह, जो उत्तर प्रदेश कर्मचारी महासंघ के भी प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी हैं। मॉर्निंग वॉक से लौट रहे थे। चांदमारी वार्ड स्थित पुलिया के पास पहले से घात लगाए बदमाशों ने उन्हें रोककर पिस्टल तान दी और कीमती आभूषण छीन लिए इसके बाद दोनों आरोपी बाइक से फरार हो गए। सूचना पर लाइनबाजार पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस के अनुसार, बदमाशों की पहचान के लिए क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, और संभावित मार्गों पर चेकिंग अभियान तेज कर दिया गया है। इस घटना के बाद से विश्वविद्यालय कर्मचारियों में गहरा रोष व्याप्त है। कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने इसे प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था की विफलता करार दिया है और जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। मोहल्लेवासियों ने इस वारदात को लेकर चिंता जताई है और कहा कि सुबह-सुबह टहलने निकलना भी अब सुरक्षित नहीं रहा। लोगों ने मांग की है कि प्रशासन रात्रि और प्रातः गश्त को तत्काल प्रभाव से बढ़ाए। एक शिक्षण संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारी को खुलेआम हथियारबंद अपराधियों द्वारा निशाना बनाया जाना न केवल कानून-व्यवस्था की गंभीर स्थिति को उजागर करता है, बल्कि आम जनमानस में सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंता का भी संकेत है।

## द्वारचार के समय कूलर की हवा लेने को लेकर युवकों ने बरातियों को पीटा

सिकरारा,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। हरीरामपुर गांव में कूलर का हवा अपनी ओर करने के लिए गांव के युवकों ने बरातियों व रिश्तेदारों को जमकर पीटा। पिटाई में तीन लोग घायल हो गए। पुलिस की मौजूदगी में विवाह की रस्म पूरी की गई। उक्त गांव निवासी अच्छेलाल प्रजापति की बेटी की शादी थी। बारात भगीरथपुर गांव से आई थी। द्वारचार के समय मंच पर कलाकारों द्वारा झांकी की प्रस्तुति की जा रही थी। उसी दौरान बारात आने पर घरातियों द्वारा कूलर व पंखा बरातियों की तरफ किया जाने लगा तो वहां पहले से ही बैठे ग्रामीण युवक उसका विरोध करने लगे। आरोप है कि ग्रामीण युवकों ने लाठी डंडे से पिटाई कर दी जिससे बरात पक्ष के उमेश प्रजापति व दो अन्य रिश्तेदार गुड्डू व लालू को भी चोट लगी। घरातियों ने सूचना 112 नंबर पुलिस को दिया तो विवाह शकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस रातभर बैठी रही।

# रिटायर्ड स्टेशन अधीक्षक के परिवार को बंधक बनाकर लाखों रुपए के जेवर व अन्य सामारों की लूट

**घटना स्थल की जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस**

बदलापुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। रिटायर्ड स्टेशन अधीक्षक को बदमाशों ने बंधक बनाकर 40 लाख रुपये के जेवराज सहित सामान लूटकर फरार हो गए। मामले की जानकारी होते ही मौके पर पुलिस पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गई।बता दे कि बदलापुर थाना क्षेत्र के पुरामुकुंदपुर गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर परिजनों को हथियारों के बल पर काबू में कर लिया। घर के सदस्यों को एक कमरे में बंद कर नकदी, सोने-चांदी के आभूषण, और कीमती सामान समेट कर ले गए। घटना को बेहद योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया गया, जिससे यह अंदेशा जताया जा रहा है कि चोर पहले से रैकी कर चुके थे।

बदलापुर थाना क्षेत्र में चोरियों की बढ़ती घटनाएं अब आमजन के साथ-साथ पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्नचिह्न खड़े कर रही हैं। कुछ ही दिनों में यह तीसरी बड़ी चोरी है, जिससे लोगों में भय और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस द्वारा रात्रि गश्त और निगरानी में भारी लापरवाही बरती जा रही है।

घटना की सूचना पर बदलापुर पुलिस मौके पर पहुंची और मुआयना कर जांच शुरू की। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक चोरों का कोई सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। बादलपुर क्षेत्र में हरी लगातार चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में जहां भय बना हुआ हैं। वहीं पुलिस की कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है। एक तरफ जौनपुर पुलिस जहां चोरी की घटना व अपराधियों से निपटने के लिए जनपद के सभी थाना क्षेत्र में पुलिस बूथ बनाया है। उसके बाद भी चोरी की घटनाएं नहीं रख रही है।

# 'योग वाटिका' प्राकृतिक ऊर्जा और शांति का केंद्रः कुलपति

**पूर्वांचल विश्वविद्यालय में की गई योग वाटिका की स्थापना**

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मुक्तांगन परिसर में प्रकृति और प्राण की मधुर समवेत ध्वनि के रूप में 'योग वाटिका' की स्थापना की गई। इस शुभ अवसर पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने शनिवार को उद्घाटन करते हुए कहा कि ₹योग न केवल शरीर की शक्ति है, बल्कि मन की स्थिरता और आत्मा की शुद्धता का मार्ग है। योग वाटिका न केवल एक हरित स्थल है, बल्कि प्रकृति द्वारा मानव को दिया गया प्राकृतिक आशियाना है।

कुलपति प्रो0 सिंह ने कहा कि शासन द्वारा चलाए जा रहे ह्योग को जन-जन तकह्न अभियान के तहत यह वाटिका न केवल विश्वविद्यालय परिवार के लिए, बल्कि आस-पास के नागरिकों के लिए भी मानसिक, शारीरिक व आत्मिक स्वास्थ्य का केन्द्र बनेगी। यह योग वाटिका केवल हरियाली का उपवन नहीं, यह जीवनशैली में संतुलन, शांति और प्रकृति की पुनर्प्राप्ति की साधना भूमि है ।प्रकृति और शांति का आशियाना विषयक इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं कुलानुशासक प्रो. राज कुमार ने बताया कि योग वाटिका में ध्यान कक्ष, ओपन योग स्थल, पंचतत्व के प्रतीक पौधों और औषधीय वृक्षों का रोपण किया गया है, अभी और भी औषधि पौधे लगाए जाने हैं, जिससे यह स्थल प्राकृतिक उपचार और साधना का केंद्र बनेगा।

एक नए युग के आरंभ की सौम्य वेला में जब प्रकृति और प्राण एकाकार हुए, तब योग वाटिका के रूप में पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने स्वस्थ जीवन, सकारात्मक सोच और सशक्त समाज की दिशा में एक सशक्त संदेश दिया ।इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो प्रदीप कुमार, प्रो. गिरधर मिश्र, डॉ.सुशील कुमार, डॉ.मनोज कुमार पांडे, डॉ. इंद्रेश कुमार, उप कुलसचिव अजीत सिंह, योगाचार्य जय सिंह, डॉ. रामान्सु, डा. रामनरेश यादव समेत शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे।

## सिधौना बाजार में चलाया गया विद्युत चेकिंग अभियान

मुहम्मद आरिफ

सिधौना,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले के सिधौना बाजार मे आज दिन शनिवार को देवगांव एसडीओ आकाश सिंह के दिशा निर्देश पर सिधौना बाजार में जेई कड़सडा अजीत कुमार श्रीवास्तव अपने विद्युत विभाग स्टाफ के साथ विद्युत चेकिंग अभियान चलाकर उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन

चेक किया गया। इस चेकिंग अभियान से बाजार में काफी देर तक अफरा तफरी का माहौल देखने को मिला तथा बिजली उपभोक्ताओं ने जेई कडसड़ा अजीत कुमार श्रीवास्तव से लोगों की शिकायत यह भी रही की बिजली बिल ज्यादा आ रहा है। इस चेकिंग अभियान मे जिन उपभोक्ता के पास मीटर नहीं था मीटर लगाया गया व बिजली बिल भी लोग जमा करते दिखाई दिए। कुछ लोगों का बिजली बिल जमा होने के कारण बिजली पोल से तार भी काट दिया गया। वही इस अवसर पर लाइनमैन दीपक खरवार उर्फ मन्ना, अरविंद कुमार, प्रकाश खरवार, अंशु पांडे, अभिषेक सिंह, कासिम शेख, रविंद्र मौर्य, लाइनमैन प्रिंस कुमार तथा अन्य सहयोगी के लोग मौजूद रहे।

## मोबाइल से फोटो खींचने पर रोका तो मनबढ़ों ने लाठी डंडे से युवक को मारपीट कर किया घायल

रियाजुल हक

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के चौकी धरसंड गांव में बीती रात में मोबाइल से फोटो खींचने से रोकने पर मनबढ़ो ने एक युवक को लाठी डंडे से बुरी तरह मारपीट कर घायल कर दिया। घायल अवस्था में उसे इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया ।गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के चौकी धरसंड गांव का पवन कुमार शुक्रवार की रात लगभग आठ बजे अपने द्वारा पर बैठा हुआ था। आरोप है तभी गांव के चंदन, अमित आकर मोबाइल फोन से घर के सामने फोटो खींचने लगे। जिस पर पवन ने मना किया तो चंदन, अमित एक और युवक के साथ पवन कुमार (24) पर लाठी डंडे से हमला कर के मारपीट कर घायल कर दिया। और मौके से सभी फरार हो गए। परिजनों ने घायल पवन को एम्बुलेंस से सीएचसी चोरसंड भिजवाया। रात में ही थाने पर नामजद तहरीर दिया गया। थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर फूलचंद पांडेय ने बताया कि इस मामले में घायल पवन कुमार के तहरीर पर चौकी धरसंड गांव के चंदन, अमित कुमार और नरेंद्र के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उक्त तीनों युवक घर से फरार है। दबिश दी जा रही है। जल्द ही तीनों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

## बारात में डीजे को लेकर जमकर मारपीट, दो घायल

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। एक बारात में आये डीजे पर नाचने को लेकर हुए विवाद में दो लोग घायल हो गए ।बताया जाता है की क्षेत्र के ग्राम गौसपुर में शुक्रवार की रात सरपतहां थाना क्षेत्र के ग्राम गैरवा से बारात आई थी। जिसमे डीजे पर कुछ युवक नाच रहे थे और गाली गलौज करते हुए कंकड़ पत्थर मार रहे थे। आरोप है कि मना करने पर गाँव के ही आधा दर्जन युवकों ने मारपीट कर घायल कर दिया। जिसकी शिकायत घायल पीड़ित बृजेश कुमार गौतम पुत्र स्व. नेबुलाल ने पुलिस को लिखित तहरीर दी। वही दूसरे पक्ष से घायल 38 वर्षीय संतोष गौतम पुत्र राम दुलारे ने भी तहरीर देते हुए आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मारपीट कर घायल कर देने का आरोप लगाया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

## शिक्षक की बेटी ने नीट में हासिल की सफलता, श्रेष्ठा को 720 में मिले 554 अंक

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय नगर निवासी शिक्षक डॉ.अमलेंद्र गुप्ता की होनहार पुत्री श्रेष्ठा गुप्ता ने नीट की परीक्षा में सफलता हासिल की है। श्रेष्ठा को 720 में 554 अंक मिले हैं। आल इंडिया रैंक में 11074 वां स्थान प्राप्त कर जिले का नाम गौरवांवित किया है। श्रेष्ठा की इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी की लहर है। इस सफलता का श्रेय उन्होंने अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया है। उनकी इस सफलता पर डा.एमएस खान, डॉ.आलोक पालीवाल, दीपक गुप्ता, डॉ.अरविन्द गुप्ता, मनीष गुप्ता भाजपा नेता, नवीन चतुवेर्दी, डॉ.सालिम, डॉ.प्रमोद भारद्वाज ने खुशी जाहिर की है।

# घर से गए युवक की झाड़ियों में मिली लाश, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

सुजानगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के सुजानगंज थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव के पास जंगल के एक गड्ढे में एक शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। ग्रामीणों ने शव को देखकर हत्या की आशंका जता रहे हैं। शरीर पर कई जगह पर चोट के निशान भी दिख रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार उक्त गांव निवासी शोभनाथ यादव पुत्र भगौतीदीन यादव ने थाने पर लीखित तहरीर देते हुए बताया हमारे भतीजे संदीप यादव 24 वर्ष पुत्र विजय कांत यादव निवासी भगवानपुर कल शाम पांच बजे इनवेटर लगवा कर मिस्त्री को छोड़ने /डाल दूबे का पूरा/भगवानपुर गये थे पर देर रात नहीं आने पर रात लगभग नौ बजे के करीब घर के लोगों से फोन पर बात हुई जिसमें बताया गया थोड़ी देर बाद आ जाऊंगा पर देर रात तक न आने पर घर वाले खोज बीन करने लगे। घर से लगभग सौ मीटर की दूरी पर टूटी अवस्था में बाइक मिली पर युवक नहीं मिला खोजबीन के दौरान सुबह लगभग पांच बजे के करीब घर से थोड़ी दूरी में जंगल के पास एक गड्ढे में युवक का शव मिला जिसके शरीर पर चोट के कई निसान दिख रहे थे सूचना पर पहुंची थाना पुलिस शव को कब्जे में लेकर फोरेंसिक विभाग द्वारा जांच करवा अन्य परिक्षण हेतु शव को जिला अस्पताल भेजा जा गया है। मृतक के पिता रोजगार हेतु मुंबई में रहते हैं चार भाई बहनों में दूसरे पुत्र के रूप में मृतक संदीप यादव सूरत शहर में रहता था।

थानाध्यक्ष यजुवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया घटना हत्या की प्रतीत हो रही है। सही जानकारी पी एम होने के बाद ही चल सकता है। पीड़ित के परिजनों द्वारा तहरीर मिला है। आगे की कार्यवाही की जा रही है।

## शिव पूजन व वैदिक मंत्रों के साथ सिधौना में हुई संपन्न ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की बैठक

सिधौना,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। लालगंज आजमगढ़ ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन लालगंज तहसीलस्तरीय बैठक तहसील अध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह की अध्यक्षता में तहसील महामंत्री रामप्रसाद मिश्र के आवास सिधौना में संपन्न हुई।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष आजमगढ़ बृजभूषण उपाध्याय व विशिष्ट अतिथि जिला महामंत्री कृष्ण मोहन उपाध्याय रहे। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष बृजभूषण उपाध्याय ने कहा कि पत्रकारों की किसी भी समस्या के लिए हम कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए तैयार हैं। सभी पत्रकार एकजुट होकर किसी भी लड़ाई को लड़े सफलता अवश्य मिलेगी ।संगठन को मजबूत बनाने एवं पत्रकारों के समस्या पर चर्चा की गई ।कार्यक्रम का संचालन तहसील महामंत्री विकास सिंह ने किया।इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष प्रभात कुमार सिंह, जीत बहादुर सिंह, सौरभ सिंह, यादवेंद्र सिंह,शुभम चौबे, रामप्रसाद मिश्र, महेश प्रसाद मिश्र, महेन्द्र सिंह, संजीव कुमार सिंह कार्तिक सिंह सहित वैभव सिंह हैप्पी विपिन पांडे आरिफ अहमद अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

## अवनीश ने पहले प्रयास में नीट परीक्षा में हासिल की सफलता

**डॉक्टर बनने का सपना हुआ साकार**

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डॉ. रिजवी लर्नर अकादमी, जौनपुर के छात्र अवनीश कुमार सरोज ने नीट परीक्षा-2025 में पहले ही प्रयास में सफलता प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने यह सफलता अपने कठिन परिश्रम, अनुशासित जीवनशैली और सकारात्मक सोच के बल पर अर्जित की है। पूर्व में अवनीश ने हाई स्कूल में 95% और इंटरमीडिएट में 92% अंक प्राप्त कर शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रमाण दिया था। नीट की तैयारी के दौरान उन्होंने मॉक टेस्ट, पुराने प्रश्नपत्रों और निरंतर रिवीजन का सहारा लिया। डिजिटल डिवाइस से दूर रहकर उन्होंने अपने लक्ष्य पर पूरा फोकस रखा। उनके पिता राम बहादुर सरोज, जो वर्तमान में पंजाब नेशनल बैंक, मंडल कार्यालय वाराणसी में कार्यरत हैं, ने मानसिक संबल प्रदान किया, जबकि माता ने घर पर अध्ययन के लिए उचित वातावरण दिया। अवनीश ने कहा कि उनका उद्देश्य एक संवेदनशील चिकित्सक बनकर समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। उनकी यह सफलता प्रेरणादायक है और सिद्ध करती है कि समर्पण और दिशा सही हो, तो कोई भी सपना साकार हो सकता है।

# ट्रेनों के ठहराव के लिए आमरण अनशन जारी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के बक्शा व सरायहरखू और बक्शा रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर ब्लॉक परिसर स्थित गांधी प्रतिमा के सामने आज आमरण अनशन का दुसरा दिन शुरू हो गया। ग्रामीणों ने कहा कि कई पत्र दिया गया। लेकिन जनता की समस्या पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है ।धरना प्रदर्शन स्थल पर सुरक्षा की दृष्टि से दो उपनिरीक्षक के साथ पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। प्रदर्शनकारियों ने वाराणसी-सुलतानपुर रेल प्रखंड स्थित बक्शा एवं धरना स्थल पर दो उपनिरीक्षकों के साथ पुलिस तैनात रही। ग्रामीणों ने कहा कि लगभग 70 गांवों और दो लाख की आबादी वाले इस इलाके के लिए दोनों स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव सुनिश्चित नहीं की जा रहा है।

**आमरण अनशन की मांगः** आमरण अनशन स्थल पर बैठे लोगों ने बक्शा रेलवे स्टेशन पर सटल एक्सप्रेस (वरुणा) व मेमू ट्रेन की ठहराव की भी मांग कर रहे है। आंदोलन की अगुवाई कर रहे अमरनाथ साथी ने बताया कि जनहित में उठाए गए इस मुद्दे को सांसद व विधायक को भी उठाना चाहिए। दिनांक 13 जून 2025 सुबह 10 बजे शुरू हुआ शांतिपूर्ण आमरण अनशन दुसरा दिन जारी इस दौरान धरने में शेखर यादव, बबलू (प्रोफेसर), मनोज यादव, शरद, मंगेश प्रजापति, हिमांशु चतुवेर्दी, विजय, वीरेंद्र आदि लोग उपस्थित रहे।

# बस ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

**ममेरा भाई घायल, बहन की शादी का कार्ड बांटने जा रहे थे दोनों**

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के महराजगंज थाना क्षेत्र के प्रयागराज-शाहगंज मार्ग पर लोहिन्दा चौराहे के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। सदरुद्दीनपुर गांव के 19 वर्षीय शनी गौतम की बस से टक्कर में मौत हो गई। उनके साथ मौजूद मामा का बेटा विक्रम गंभीर रूप से घायल हो गया। शनी अपनी बहन सीमा की 17 जून को होने वाली शादी का कार्ड बांटने के लिए निकले थे। साढ़े ग्यारह बजे के करीब दहेज में मिली नई बाइक पर वह विक्रम के साथ जा रहे थे। लोहिन्दा चौराहे के पास सुजानगंज की तरफ से आ रही तेज रफ्तार प्राइवेट बस ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक बस के नीचे जा घुसी। शनी की मौके पर ही मौत हो गई ।घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अमित पांडेय मौके पर पहुंचे। घायल विक्रम को सीएचसी भेजा गया, जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया है और फरार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। घटना से पूरे परिवार में कोहराम मच गया है। शनी की मां सुशीला का रो-रोकर बुरा हाल है और वह बेसुध हो गईं। पिता, बड़े भाई दीवान, बहनें सीमा और सुषमा भी शोक में डूबे हैं। शादी की खुशियां मातम में बदल गई हैं और पूरी बस्ती में शोक का माहौल है।

# लायंस क्लब रॉयल ने कराया रक्तदान

**हमारा रक्तदान किसी के लिए जीवनदानः मधुसूदन बैंकर**

अभिताश गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर समाज सेवा में अग्रणी संगठन लायंस क्लब जौनपुर रॉयल द्वारा नगर के ईशा हास्पिटल में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। क्लब के सदस्यों के अथक प्रयास से कुल 55 लोगों ने रक्तदान किया और 62 लोगों ने जरूरत पड़ने पर रक्तदान करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर ने कहा रक्तदान का कोई विकल्प नहीं है आप के द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद के लिए जीवनदान है। उन्होंने कहा हर स्वस्थ व्यक्ति हर तीन माह पश्चात रक्तदान कर सकता है। संस्थापक अध्यक्ष अजय गुप्ता ने क्लब द्वारा आयोजित किए गए शिविर की सराहना करते हुए। कहा इसके माध्यम से हम जरूरतमंद लोगों की सेवा कर सकते हैं। एस.एन.कालेज आफ फामेर्सी लखौवां के प्रबन्धक सन्तोष अग्रहरि ने कहा रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं होता रक्तदान करने वाले समाज के रियल हीरो है उन्होंने अपने कालेज के बच्चों को स्वेच्छा से रक्तदान करने हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं दी। नवचयनित अध्यक्ष संजीव साहू ने कहा रक्तदान करने से हम अनेक बिमारियों से बच सकते हैं! क्लब के उपाध्यक्ष अभिताश गुप्ता, संजय वर्मा, कोषाध्यक्ष राजेश किशोर श्रीवास्तव, अजय मोदनवाल, राजेश अग्रहरि, अक्षत साहू के रक्तदान करने के पश्चात रक्तदान करने वालों का सिलसिला चल पड़ा जो शाम तक चलता रहा! इस अवसर पर डाक्टर स्मिता श्रीवास्तव ने सभी का स्वागत करते हुए कहा एक यूनिट रक्तदान चार लोगों को जिन्दगी प्रदान करता है। ब्लड बैंक प्रभारी निर्मल श्रीवास्तव ने क्लब को धन्यवाद देते हुए क्लब के सदस्यों की कर्मठता की सराहना किया! सभी के प्रति धन्यवाद क्लब सचिव अजय सोनकर ने व्यक्त किया! इस अवसर पर सभी रक्तदाताओं के उत्साहवर्धन हेतु एस.एन.कालेज आफ फामेर्सी के प्रिंसिपल डाक्टर स्वरूप चटर्जी, राजकुमार अग्रहरि, अमित गुप्ता, ऋषि श्रीवास्तव, बालकृष्ण साहू, अनूप सिंह इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

## राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ने गाड़ियों पर फर्जी तरीके से स्टीकर लगाने एवं डीजे बजाने पर जताई आपत्ति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश सचिव एवं जिला अध्यक्ष विनय जायसवाल के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारीयो ने नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन। प्रदेश सचिव ने कहा कि आजकल जिले में फर्जी तरीके से लोग बिना किसी पद पर न होने के बावजूद भी अथवा किसी पार्टी या किसी संगठन में नहीं होने के बावजूद भी लोग अपनी गाड़ियों पर फर्जी तरीके से स्टिकर लगाकर चल रहे हैं। जिससे भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई घटना घटित होती है तो किसी भी संगठन या पार्टी की छवि के साथ- साथ व्यक्ति की भी छवि धूमिल करने का काम यह लोग फर्जी तरीके से गाड़ियों पर स्टिकर लगाकर करते है। विनय जायसवाल ने यह भी कहा कि डी जे के कारण आजकल बहुत सारी घटनाएं प्रदेश में घटित हो रही है। डीजे बजाने का समय रात्रि 10:00 बजे तक का होता है ।इसके बावजूद भी लोग नियम का उल्लंघन रहे हैं शासन एवं प्रशासन को अभियान चलाकर ऐसे लोगों के ऊपर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए एवं जो डीजे के कारण घटनाएं घट रही है उस पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाया जाए। इस अवसर पर जिला संरक्षक राज जायसवाल,जिला सलाहकार रितेश मोदनवाल, जिला संचालन प्रभारी चंद्रेश जायसवाल, जिला कार्यकारिणी सदस्य सुरेश सेठ, जिला प्रवक्ता प्रदीप उपाध्याय, जिला महामंत्री अंकित मौर्य, ब्लॉक अध्यक्ष अलख निरंजन गौतम, ब्लॉक अध्यक्ष मोतीलाल सोनी, नगर संगठन प्रभारी संजय पंडा, नगर संरक्षक विष्णु कुमार सोनी, नगर संचालन प्रभारी संतोष शर्मा, नगर सचिव रोहित शर्मा, अधिवक्ता मुकेश यादव, अर्जुन प्रजापति, नगर कार्यक्रम प्रभारी अनिल वर्मा, विशाल सोनी, सनी कुमार, मोहम्मद खालिद, राम रतन सेठ इत्यादि लोग अधिक संख्या में उपस्थित मौजूद रहे।

یسریٰ حکیمی دواخانہ
Regd.No20230048
युसरा हकीमी दवाखाना
हमारी कोशिश, आपका विश्वास...
उपलब्ध सुविधायें-
- गठिया व जोड़ो के दर्द का इलाज
- बवासीर का इलाज बगैर आपरेशन के
- चर्म रोग व पेट की तमाम बीमारियों का इलाज
- बालों का झड़ना, सफेद दाग मुहासे व छाइयों का इलाज होता है ।
- नि:संतान का अचूक इलाज
- शुगर कन्ट्रोल का इलाज
मंगलवार बंदी बाक़ी दिन का सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक
Mob.: 9198443844, 8960275665
नोट- पुरुषों व महिलाओं के गुप्त रोगों से सम्बन्धित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज किया जाता है ।
अब हर जुमा को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक
सफेद दाग के मरीजों को मुफ्त दवा मिलेगी यह सन् 2025 के अन्त तक जारी रहेगा।
पता- बड़ी मस्जिद, पूर्वी गेट के सामने जौनपुर (उ.प्र.)

# पंडित हीरालाल विधि महाविद्यालय का शुभारंभ

प्रतापगढ़। अंतू, प्रतापगढ़ में स्थित पंडित हीरालाल विधि महाविद्यालय का शुभारंभ होने पर क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। इस महाविद्यालय की अध्यक्ष डॉ. सीमा मिश्रा तथा संरक्षक पूर्व विधायक बृजेश सौरभ हैं। यह महाविद्यालय प्रो. राजेंद्र सिंह रज्जू भैया, प्रयागराज एवं बार काउंसिल ऑफ इंडिया नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त है, जिसमें त्रिवर्षीय एल एल बी के संचालन हेतु 120 सीटें स्वीकृत हैं। शैक्षिक सत्र 25-26 के लिए प्रवेश प्रारंभ हो चुका है।

गौरवतलब रहे कि बृजेश सौरभ मूल रूप से अंतू के कपासी गांव के रहने वाले हैं। इन्होंने शिक्षा एवं स्वास्थ के साथ बुनियादी व्यवस्थाओं को जिले में स्थापित करने का महानीय कार्य किया है। पंडित हीरालाल छविराज कुंवरि महाविद्यालय की स्थापना करके अंतू में उच्च शिक्षा की एक अलख जगाई। जिसमें बी ए, एम ए, बी एड जैसे कई कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। सौरभ का कहना है कि जब उच्च शिक्षा गांव के अंतिम व्यक्ति को प्रदान की जाएगी, तभी सही मायने में भारत को सशक्त और स्वर्णिम बनाया जा सकेगा, क्योंकि भारत के विकास का रास्ता गांव से ही होकर गुजरता है। यदि गांव शिक्षित एवं सशक्त बनेगा तो राष्ट्र स्वमेव प्रगति के नित नए सोपान गढ़ेगा। सौरभ का समूचा जीवन गांव, समाज एवं राष्ट्र को समर्पित है।

# बुनकरों की आवाज पहुंची भाजपा के शीर्ष नेतृत्व तक

## सरवर सिद्दीकी ने बी.एल. संतोष से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन, योजनाओं की निगरानी के लिए बोर्ड गठित करने की मांग

-सुरेश गांधी

वाराणसी। बुनकरों की समस्याओं और उनके उज्जवल भविष्य को लेकर बुनकर महासभा के राष्ट्रीय संयोजक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सरवर सिद्दीकी ने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बी.एल. संतोष से मुलाकात की। दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में हुई इस मुलाकात के दौरान सिद्दीकी ने बुनकर, कारीगर और हस्तशिल्पियों के हितों से जुड़ी अहम मांगों को एक ज्ञापन के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस मुलाकात को लेकर भाजपा संगठन में भी सकारात्मक संकेत देखने को मिले हैं और जल्द ही इन मुद्दों पर आगे की कार्यवाही की उम्मीद जताई जा रही है।

श्री सिद्दीकी ने कहा कि देशभर के लाखों बुनकर, कालीन, दरी, साड़ी, वस्त्र और हस्तनिर्मित वस्तुएं बनाने वाले कारीगर आज भी विकास की मुख्यधारा से वंचित हैं। उनके लिए चलाई जा रही सरकारी योजनाओं का लाभ सीमित वर्ग तक ही पहुँच पा रहा है। श्री सिद्दीकी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और प्रदेश में डबल इंजन की सरकार पूरी क्षमता से काम कर रही है। ऐसे में यह जरूरी है कि बुनकर समाज को भी उस विकास की धारा से जोड़ा जाए जिसकी नींव ह्नसबका साथ, सबका विकासह्न में निहित है।ह्न लेकिन योजनाओं का लाभ तभी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचेगा, जब इनका प्रचार सघन हो और निगरानी तंत्र मजबूत हो।

तीन मुख्य मांगें

1. कालीन, दरी, साड़ी, कपड़ा और हाथ से बने उत्पादों के कारीगरों के लिए विशेष योजनाएं तैयार की जाएं और उनकी आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

2. सरकार की जो योजनाएं पहले से मौजूद हैं, जैसे पीएम वीमेन योजना, मुद्रा योजना, हस्तशिल्प विकास योजनाएं आदि, उनकी जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार हो ताकि अधिक से अधिक कारीगर उसका लाभ उठा सकें।

3. केंद्र व राज्य सरकारों की बुनकर कल्याण योजनाओं की निगरानी व समीक्षा के लिए एक स्वतंत्र बोर्ड का गठन किया जाए, जो जमीनी स्तर पर उनके क्रियान्वयन को सुनिश्चित करे।

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष जी ने ज्ञापन को गंभीरता से लेते हुए आश्वस्त किया कि संगठन स्तर पर इन मुद्दों पर जल्द चर्चा होगी और यथासंभव समाधान की दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

# प्रमिला यादव का सफल ऑपरेशन, उत्तर यादव युवा संघ ने दिखाई एकजुटता

मुंबई। उत्तर यादव युवा संघ के सलाहकार एवं इंडोनेशिया के प्रेसिडेंट डायरेक्टर एसी यादव की धर्मपत्नी श्रीमती प्रमिला यादव का बांबे हॉस्पिटल, मुंबई में सफल ऑपरेशन संपन्न हुआ। इस जटिल ऑपरेशन में डॉक्टर प्रेमा कनिया और उनकी टीम ने लगभग 2 किलो वजनी गांठ को सफलतापूर्वक निकाला।

इस कठिन समय में उत्तर यादव युवा संघ के पदाधिकारियों ने अपने सहयोग और सेवा भावना का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय सचिव एवं कल्याण जिला अध्यक्ष श्री जितेंद्र जगदेव यादव ने ब्लड डोनेट कर मानवीय सेवा का आदर्श प्रस्तुत किया। वहीं राष्ट्रीय महासचिव श्री विजय एल यादव स्वयं मुंबई अस्पताल पहुंचकर प्रमिला यादव का हालचाल जानने हेतु उपस्थित रहे। राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्र धारी यादव ने कहा, ह्नप्रमिला यादव हमारे अनुज एसी यादव की अर्धांगिनी हैं। इस कठिन घड़ी में हम उनके साथ खड़े हैं। मैं और मेरा सम्पूर्ण परिवार, साथ ही राष्ट्रीय सचिव श्री जितेंद्र यादव के सेवा भाव के लिए सदा ऋणी रहेंगे। उत्तर यादव युवा संघ परिवार ने प्रमिला यादव के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है और यह संदेश दिया है कि संगठन अपने सदस्यों के सुख-दुख में सदैव साथ खड़ा रहेगा।

# बेस्टी एजुकेशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन

मुंबई। साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था बेस्टी एजुकेशन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट (दोहा-कतर) की मुंबई इकाई द्वारा शुक्रवार को एक अंतर्राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का सफल आयोजन जूम ऐप के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम का संयोजन संस्था के संस्थापक डॉ. बैजनाथ शर्मा 'मिन्टू' द्वारा किया गया, जबकि दिशा-निर्देशन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती अफसाना सैयद ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. कृपाशंकर मिश्र ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ कवयित्री श्रीमती सत्यभामा सिंह (कल्याण, महाराष्ट्र) एवं वरिष्ठ साहित्यकार राम अवतार 'पंकज' (लखनऊ) उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत जूम पर आयोजनकर्ता एवं मुंबई इकाई अध्यक्ष विनय शर्मा 'दीप' ने मां सरस्वती की वंदना से की। तत्पश्चात मुंबई के सुप्रसिद्ध गीतकार-संगीतकार अवधेश विश्वकर्मा 'नमन' ने अपनी मधुर प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सम्मेलन में देश के विभिन्न भागों से जुड़े कवियों ने अपनी काव्य-रचनाओं से श्रोताओं को भाव-विभोर किया, जिनमें प्रमुख रूप से आर. एन. शर्मा (बलसाड़, गुजरात), रामदेव शर्मा 'राही' (मथुरा, उत्तर प्रदेश), शिवकुमार सिंह (जौनपुर), प्रभा शर्मा 'सागर', सीमा त्रिवेदी, इंदु भोलानाथ मिश्र (मुंबई), मदन गोपाल गुप्ता 'अकिंचन' (ठाणे, महाराष्ट्र), राजकरण सिंह (रायबरेली, उत्तर प्रदेश), डॉ. रामरतन श्रीवास 'राधे-राधे' (बिलासपुर, छत्तीसगढ़), इस कवि सम्मेलन के दौरान अहमदाबाद, गुजरात में हुई एयर इंडिया विमान दुर्घटना के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभी साहित्यकारों ने दो मिनट का मौन रख दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। अंत में डॉ. कृपाशंकर मिश्र ने सभी रचनाकारों की सराहना करते हुए अपना अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत किया तथा अपनी कविता से आयोजन को एक भावपूर्ण समापन दिया। डॉ. बैजनाथ शर्मा 'मिन्टू' ने सभी साहित्यप्रेमियों, अतिथियों और कवियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

# विश्व रक्तदान दिवस पर तीन यूनिट रक्तदान

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर आज जय माँ विंध्यवासिनी दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए तीन यूनिट रक्तदान किया। समिति के सदस्यों ने स्थानीय ब्लड बैंक में पहुंचकर स्वेच्छा से रक्तदान किया और समाज को सेवा व सहयोग का संदेश दिया।इस अवसर पर भाजपा मण्डल महामंत्री मनीष धर्मरक्षक ने कहा कि रक्तदान महादान है। इससे न केवल किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है, बल्कि यह समाज में सहयोग व एकजुटता की भावना को भी मजबूत करता है।समिति के अन्य सदस्यों ने भी नियमित रक्तदान करने का संकल्प लिया और लोगों से अपील की कि वे भी आगे आकर इस पुनीत कार्य में भाग लें। कार्यक्रम के अंत में ब्लड बैंक की ओर से रक्तदाता वंश श्रीवास्तव, विशाल साहू व दीपक देवंशी को प्रमाणपत्र व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

# खेतासराय थाना परिसर में शनिवार को आठ मामले में चार का निस्तारण

जौनपुर (उत्तरशक्ति):खेतासराय स्थानीय थाना परिसर में शनिवार को एसडीएम कुणाल गौरव की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इस दौरान आठ फरियादियों ने प्रार्थना पत्र दिए। राजस्व व पुलिस विभाग ने फरियादियों की समस्याएं सुनी। मौके पर चार मामले का निस्तारण किया गया। बाकी मामले के निस्तारण के लिए राजस्व विभाग और पुलिस की टीम गठित कर मौके पर भेजा गया। थाना प्रभारी रामाश्रय राय ने बताया सभी मामले राजस्व से जुड़े थे। इस अवसर पर लेखपाल रणजीत कुमार, पुनीत कुमार, रत्ती यादव, रेशमा, सूर्यप्रकाश अग्रहरि, दिनेश सैनी, शिव शंकर प्रजापति उपस्थित रहे।

# मोरारी बापू नें किया विधि -विधान बाबा विश्वनाथ जी का दर्शन बोले- मन प्रसन्न हो गया

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में रामकथा वाचक संत मोरारी बापू शनिवार को धर्मनगरी काशी पहुंचे। दोपहर में बाबा श्री काशी विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। इस दौरान मोरारी बापू ने विधिवत पूजा-अर्चना कर बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। बाबा के नव्य-भव्य धाम की भव्यता को निहारते हुए उन्होंने कहा कि बाबा का दरबार अद्भुत है। यहां आकर मन आत्मविभोर हो गया। जो भी यहां आता है, वह आध्यात्मिक ऊर्जा से भर जाता । विश्वनाथ कॉरिडोर की भव्यता से अभिभूत मोरारी बापू ने कहा कि यह सिर्फ कॉरिडोर नहीं, बल्कि सनातन आस्था का विराट स्वरूप है। उन्होंने कहा कि मेरा यह सौभाग्य है कि मुझे बाबा का साक्षात दर्शन प्राप्त हुआ और मुझे काशी में कथा कहने का भी अवसर मिल रहा है। यह मेरे जीवन की सबसे पावन अनुभूतियों में से एक है। मोरारी बापू के आगमन पर श्रद्धालुओं और उनके अनुयायियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। विश्वनाथ धाम परिसर में उनके पहुंचते ही भक्ति और श्रद्धा का वातावरण और भी दिव्य हो गया। काशी के संतों और श्रद्धालुओं ने मोरारी बापू का पुष्पवर्षा और जयकारों के साथ स्वागत किया ।बापू ने काशी को आत्मा की नगरी बताते हुए कहा कि यहां कथा कहना केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक साधना है। यह नगरी हर कथावाचक के लिए सपना है और मेरा यह सपना आज साकार हो गया ।काशी में आज मोरारी बापू की 958वीं रामकथा सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में शुरू हो रही है। 22 जून तक चलने वाली रामकथा में ऑपरेशन सिंदूर से प्रेरित होकर मोरारी बापू ने कथा का शीर्षक मानस सिंदूर रखा है। कथा का शुभारंभ आज शाम चार बजे होगा। इसके बाद 15 जून से 22 जून तक कथा सुबह दस बजे से होगी। कथा का सजीव प्रसारण यूट्यूब के माध्यम से विश्व के 170 देशों में किया जाएगा।

# मानीकला में जंगली सुअर के हमले में महिला घायल

-आफताब आलम

मानीकलाँ,जौनपुर(उत्तरशक्ति)।खेतासराय के ग्रामीण क्षेत्रों में जंगली सुअरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। कुछ दिन की खामोशी के बाद सुअरो ने अब मानीकला गांव में साइकिल से जा रही महिला पर हमला बोल दिया। सुअर के झपटते ही महिला नीचे खेत में जा गिरी और चोटिल हो गईं। महिला का एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। मानीकला गांव में एक जंगली सुअर ने 50 वर्षीय महिला पर हमला कर दिया। परम शिला नामक महिला साइकिल से मानीकला कब्रिस्तान के पास से गुजर रही थीं। इस दौरान झाड़ियों से निकले जंगली सुअर ने उन पर अचानक हमला कर दिया। हमले में महिला के दाएं और बाएं हाथ में गहरी चोटें आई हैं। ग्रामीणों की मदद से घायल महिला को तत्काल टेंपो से लेजाकर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि क्षेत्र में घूम रहे जंगली सुअरों के अलावा अन्य हमलावर होने वाले जानवरों को पकड़ने की व्यवस्था की जाए। जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सकेगा। महिला के हमले के बावजूद प्रशासन और वन विभाग कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। ऐसे में ग्रामीणों का आक्रोश अधिकारियों के प्रति उबल रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि मानी कला में कई दिनों से जंगली सुअर की दहशत है। यह समस्या पिछले कई महीनों से बनी हुई है। झाड़ियों के बीच जंगली सुअर बैठे रहते हैं और मौका मिलते ही राहगीरों पर हमला कर देते हैं। सुअरों के झुंड में रहने के कारण लोगों में भारी दहशत है। दिन ढलते ही जंगली सुअर गाँव और बस्ती में पहुंच जाते हैं। कई बार रात में घरों में घुसकर पालतू जानवरों हमला कर चुके हैं।

# कार ट्रक से टकराकर डिवाइडर पर चढ़ी, बीएसएफ जवान समेत तीन की मौत

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के ठटरा गांव स्थित वाराणसी- प्रयागराज हाईवे पर बने अंडरपास ब्रिज पर चढ़ते ही मां शारदा मंदिर पॉइंट के पास दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। सर्विस मार्ग पर शनिवार की दोपहर करीब 11 बजे प्रयागराज की ओर से आ रही एक कार ट्रक से टकराकर डिवाइडर पर चढ़ गई। इसके बाद सड़क पर करीब 50 मीटर तक घसीटती गई। सर्विस मार्ग पर नाचते हुए एक दुकान के पास जाकर रुक गई। कार में सवार चार लोग की चीखने-चिल्लाने की आवाज सुन ग्रामीणों ने पुलिस को हादसे की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए सरकारी एंबुलेंस बुलाकर घायलों को स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया। एंबुलेंस पहले कछवां स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई, जहां से सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। यहां एक युवक को मृत घोषित कर दिया गया था। घटनास्थल पर प्रयागराज के सराय इनायत थाना क्षेत्र के हनुमानगंज निवासी अमन यादव (25) जो बीएसएफ का जवान था, की मौके पर मौत हो गई। उसकी तैनाती दिल्ली में थी। इसके अलावा इलाज के दौरान प्रयागराज के झूंसी निवासी अफजल (24) की ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गई। मिजार्पुर जिला अस्पताल में प्रयागराज के झूंसी निवासी अरबाज (27) की भी मौत हो गई। वहीं, ट्रामा सेंटर में विनय यादव (24) का इलाज चल रहा है। वह झूंसी (प्रयागराज) का निवासी है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। अरबाज और फैजल दोनों चचेरे भाई बताए गए हैं। अमन यादव वाराणसी में परीक्षा देने जा रहा था। घटना के बाद प्रयागराज से वाराणसी जाने वाले सर्विस मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को क्रेन बुलाकर साइड कर अपने कब्जे में ले लिया इसके बाद यातायात बहाल कराया। ग्रामीणों की मानें तो प्रयागराज की तरफ से आ रही कार पास लेने के चक्कर में ट्रक को टक्कर मार दी। फिर डिवाइडर पर चढ़कर सड़क पर घसीटती गई। कार कई बार पलटते हुए सर्विस मार्ग पर एक दुकान के पास रुक गई। वहीं, घटना के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। पुलिस सीसीटीवी के जरिए ट्रक की तलाश कर रही है।

# एचएमएसआई ने पर्यावरण सप्ताह के अवसर पर राष्ट्रव्यापी गतिविधियों का आयोजन किया

पटना। होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया ने पर्यावरण सप्ताह 2025 के तहत 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) से देशभर में अपनी डीलरशिप नेटवर्क पर कई पर्यावरण जागरूकता और सस्टेनेबिलिटी-केंद्रित गतिविधियाँ आयोजित कीं। इस पहल का उद्देश्य लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और ज़िम्मेदार व्यवहार को प्रोत्साहित करना था। यह अभियान गाज़ियाबाद स्थित हिंदन होंडा डीलरशिप पर एक विशेष कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ, जिसमें एचएमएसआई के वरिष्ठ अधिकारियों शशांक रजदान (जनरल मैनेजर, रीजनल बिजनेस - सेंट्रल) और रविकुमार अन्नासाहेब फिरगण्णावर (जनरल मैनेजर, रीजनल बिजनेस - सेंट्रल कस्टमर सर्विस) ने भाग लिया। इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस की थीम ह्यप्लास्टिक प्रदूषण को हराओह्न ने एचएमएसआई की जमीनी गतिविधियों की दिशा तय की। सप्ताहभर चलने वाले इस अभियान के तहत, एचएमएसआई की डीलरशिप्स और सर्विस आउटलेट्स ने देशभर में ग्राहकों और स्थानीय समुदायों के साथ सक्रिय भागीदारी की। मुख्य गतिविधियों में डीलरशिप पर आने वाले सभी ग्राहकों को पौधों का वितरण, प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्परिणामों पर जागरूकता अभियान, और देश के कई शहरों और कस्बों में 1,25,000 से अधिक पौधारोपण शामिल रहे। इसके अलावा, वाहनों के अधिक स्वच्छ और कुशल उपयोग को बढ़ावा देने के लिए निःशुल्क पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल चेक-अप कैंप भी आयोजित किए गए।

# हिमालया बेबीकेयर ने फादर्स डे के अवसर पर एक डिजिटल फिल्म लॉन्च की

पटना। भारत का नंबर 1 डॉक्टर द्वारा अनुशंसित बेबी केयर ब्रांड हिमालया बेबीकेयर, ने फादर्स डे के अवसर पर एक दिल को छू लेने वाली डिजिटल फिल्म (डीवीसी) लॉन्च की है। लोकप्रिय कन्नड़ गीत ह्नआई लव यू अप्पाह्न से प्रेरित, हैसटैग जेंटलएजडैड शीर्षक वाला यह अभियान एक पिता और उसकी बेटी के बीच भावनात्मक बंधन को खूबसूरती से दर्शाता है, जब वह एक नवजात से एक युवा महिला बनती है। क्षेत्रीय दर्शकों से गहराई से जुड़ने के लिए, इस प्रिय गीत का अनुवाद छह भाषाओं - हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, मराठी और बंगाली में किया गया है, जिससे क्षेत्रीय गूंज और गहरा भावनात्मक जुड़ाव सुनिश्चित हुआ है। जिससे क्षेत्रीय प्रतिध्वनि और भावनात्मक जुड़ाव सुनिश्चित किया जा सके। इस कहानी के केंद्र में हिमालया बेबीकेयर की विज्ञान-समर्थित रेंज है - बेबी मसाज ऑयल, बेबी सोप और बेबी लोशन, जो पिता और बच्चे के बीच साझा अनुभवों के हिस्से के रूप में सहजता से प्रस्तुत होते हैं। हिमालया वेलनेस कंपनी के बेबीकेयर डायरेक्टर, चक्रवर्ती एन.वी. ने अभियान पर टिप्पणी करते हुए कहा, ह्नपिता अक्सर बच्चे के जीवन के मूक स्तंभ होते हैं - सौम्य, स्थिर और हमेशा पृष्ठभूमि में मौजूद, जो अपने प्यार और सुरक्षा के माध्यम से अपने बच्चे की दुनिया को आकार देते है।

# अनुप मेहता की चेयरमैन और स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्ति

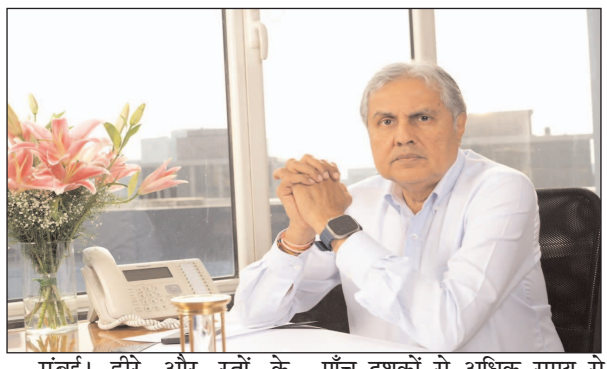

मुंबई। हीरे और रत्नों के प्रमाणीकरण के क्षेत्र में वैश्विक संस्था, इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूटने अनुप व्रजलाल मेहता को आयजीआय बोर्ड का अध्यक्ष एवं स्वतंत्र निदेशक नियुक्त करने की घोषणा की है, यह नियुक्ति 6 जून 2025 से प्रभावी मानी जाएगी, जो शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है।

हीरा उद्योग के एक दूरदर्शी और प्रभावशाली हस्ती, मेहता पिछले पाँच दशकों से अधिक समय से भारतीय और वैश्विक रत्न व आभूषण उद्योग को दिशा दे रहे हैं। वर्तमान में वे मोहित डायमंड्स प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं, साथ ही भारत डायमंड बोर्स के अध्यक्ष पद पर भी कार्यरत हैं। इसके अलावा, वे वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ डायमंड बोर्स और जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल जैसी प्रमुख संस्थाओं में भी सक्रिय रूप से अपनी भूमिका निभा रहे हैं। उनकी नियुक्ति आयजीआय की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो रत्न और आभूषण उद्योग में उत्कृष्टता, पारदर्शिता और सतत विकास के प्रति संस्था की मजबूत प्रतिबद्धता को दशार्ती है। इस विकास पर टिप्पणी करते हुए, आयजीआय के वैश्विक उएड, श्री तहमास्प प्रिंटर ने कहा, हमें अनूप मेहता का के बोर्ड में स्वागत करते हुए गर्व हो रहा है। हीरा उद्योग के एक सच्चे दिग्गज, मेहता गहन ज्ञान, गहरी समझ और दूरदर्शिता के साथ हमारे साथ जुड़ रहे हैं। वैश्विक हीरा उद्योग में उनका व्यापक अनुभव IGI की दिशा तय करने और रत्न विज्ञान में विशेषज्ञता व ईमानदारी के साथ नेतृत्व करने के हमारे मिशन को आगे बढ़ाने में बेहद अहम भूमिका निभाएगा।

# नीट परिणाम में फूलपुर के होनहार राजदीप ने फहराया परचम

-शिवकुमार प्रजापति

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। जिले के फूलपुर तहसील के फूलपुर देहात निवासी होनहार ने नीट परीक्षा में अपना परचम फहरा कर जिले का नाम रौशन किया।आजमगढ़ जिले के तहसील फूलपुर के फूलपुर देहात निवासी होनहार ने नीट परीक्षा में अपना परचम फहरा कर जिले का नाम रौशन किया है। मेधावी की इस सफलता पर गांव में जश्न का माहौल है। उनके परिजन व शुभचिंतक मिठाई बांट कर खुशी का इंजहार किया।फूलपुर देहात के रहने वाले छात्र राजदीप पुत्र राजेंद्र प्रसाद ने नीट की परीक्षा में आल इण्डिया रैंक 5934 एवं कटेगरी रैंक 2378 प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया। परीक्षा परिणाम आने के बाद परिवार सहित पूरे गांव में हर्ष की लहर दौड़ पड़ी। परिजनों ने आपस में मिठाईयां बांटकर खुशी का इजहार किया। राजदीप की प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही हुई थी एवं परिणाम घोषित होने की सूचना प्राप्त होते ही उनके पिता राजेन्द्र प्रसाद के आवास पर सुबह से ही पहुंच कर मुबारकबाद देने के लिए तांता लगा हुआ है।

राजदीप बचपन से ही होनहार छात्र था बहुत कम उम्र में मिली सफलता से पूरा परिवार में हर्षोल्लास है। राजदीप के बड़े भाई अनुराग लोहिया मेडिकल कॉलेज लखनऊ से एमबीबीएस कंप्लीट कर चुके हैं। एवं एक बहन बीएचएमएस एवं बडी बहन अनुराधा उमानाथ मेडिकल कॉलेज जौनपुर में नियुक्त है। राजदीप के पिता ने बताया कि बच्चे ने सफलता पाने के लिए अपनी सभी सुख त्याग कर दिया था एक मात्र टारगेट था सफलता। राजदीप के बड़े पापा डॉक्टर हनुमान प्रसाद ने मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया। 90 वर्षीय वृद्ध दादा रुदल प्रसाद के खुशियों का ठिकाना नहीं है। उन्होंने अपने पोते राजदीप को आशीष देते नहीं थक रहे हैं। राजदीप की माता सुमन ने कहा कि एक मां के लिए इससे बड़ी खुशी क्या हो सकती है।

# बालू से लदा ट्रैक्टर पलटा, ड्राइवर की दबकर मौत

आजमगढ़ फूलपुर। कोतवाली क्षेत्र के भोरमऊ पुलिया के पास शनिवार की सुबह आठ बजे बालू लदा ट्रैक्टर पलट गया ट्रैक्टर के नीचे चालक की दबकर मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर काफी संख्या में ग्रामीण पहुंचे ग्रामीणों की मदद से चालक को किसी तरह बाहर निकाला। एंबुलेंस ने मृतक को सीएचसी पहुंचाया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। घटना को लेकर परिवार में कोहराम मचा हुआ है।फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के खोजापुर गांव निवासी जोगिंदर(35)पुत्र मानकु पूना में रहकर काम करता था। वह शनिवार की सुबह अपने घर आया था। सुबह आठ बजे ही फूलपुर स्थित बिल्डिंग मेटेरियल की दुकान से लाल बालू ट्राली पर लाद कर भोरमऊ लेकर जा रहा था। वह जैसे ही भोरमऊ नहर के पास पुलिया के पास फूलपुर-भोरमऊ मार्ग पर पहुंचा ट्रैक्टर अनियंत्रित हो कर रोड के किनारे जा पलटी चालक ट्रैक्टर के इंजन के नीचे दब गया। आवाज सुनकर आसपास के लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी।मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से किसी तरह जोगिंदर को बाहर निकाला।तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।सूचना मिलते ही परिजन व ग्रामीण अस्पताल पर पहुंच गए।जोगिंदर तीन भाइयों में सबसे छोटा था।

# सामर्थ्या क्लासेस हाजीपुर के छात्रों ने नीट-2025 की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

हाजीपुर। सामर्थ्या क्लासेसह्न हाजीपुर के छात्रों ने एनटीए द्वारा आयोजित नीट-2025 की परीक्षा मे उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक बार पुनः अपने संस्थान तथा सूबे का नाम रौशन किया है। इस वर्ष ह्नसामर्थ्या क्लासेसह्न से दो अभ्यार्थियों ने नीट-2025 की परीक्षा मे उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश के सर्वोत्तम मेडिकल कॉलेज में नामांकन के लिए अपना नाम सुनिश्चित किया है। इस वर्ष सामर्थ्या क्लासेस से सलोनी राज (एआईआर- 2182) एवं तान्या (एआईआर - 27096) रैंक लाकर नीट-2025 की परीक्षा मे सफलता प्राप्त की। सामर्थ्य प्रमुख सुमित सिंह ने सफल अभ्यार्थियों को अशेष शुभकमनाएं दीं ।